बर्षः- 05
अंकः- 288
मुरादाबाद
(Tuesday)
10 February 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

भारत-सेशेल्स रिश्ते में नया आयामः कई MOU पर हस्ताक्षर, PM मोदी बोले- जमीन-समुद्र से हवा तक मजबूत हो रहे संबंध

दिल्ली के हैदराबाद हाउस में पीएम नरेंद्र मोदी और सेशेल्स के राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी के बीच अहम बैठक हुई। दोनों देशों ने सहयोग बढ़ाने के लिए कई एमओयू पर हस्ताक्षर किए। संयुक्त प्रेस वार्ता में पीएम मोदी ने सेशेल्स को भरोसेमंद साझेदार बताते हुए राष्ट्रपति हर्मिनी को जीत की बधाई दी और रिश्तों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की प्रतिबद्धता जताई।भारत और सेशेल्स के रिश्तों को नई मजबूती देने की दिशा में दिल्ली के हैदराबाद हाउस में बड़ा कूटनीतिक कदम देखने को मिला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सेशेल्स के राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी के बीच हुई द्विपक्षीय बैठक में रणनीतिक साझेदारी, समुद्री सहयोग और आपसी रिश्तों को आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई। इस दौरान दोनों नेताओं की मौजूदगी में कई अहम एमओयू पर हस्ताक्षर हुए, जो दोनों देशों के संबंधों को नया आयाम देने वाले माने जा रहे हैं। इसके बाद दोनों नेताओं ने संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित कर रिश्तों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की प्रतिबद्धता दोहराई। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोनों देशों के रिश्तों और आपसी सहयोग पर बात की। साथ ही राष्ट्रपति हर्मिनी को सेशेल्स के राष्ट्रपति चुने जाने पर शुभकामनाएं भी दी। पीएम मोदी ने कहा कि 1.4 अरब भारतीयों की ओर से वह राष्ट्रपति हर्मिनी को सेशेल्स के राष्ट्रपति चुने जाने पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हैं।भारत-सेशेल्स के रिश्ते पर क्या बोले पीएम?- पीएम मोदी ने बताया कि राष्ट्रपति बनने के बाद हर्मिनी की यह पहली भारत यात्रा है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों का रिश्ता अतीत, वर्तमान और भविष्य तक फैला हुआ है। समुद्री पड़ोसी और भरोसेमंद साझेदार के रूप में सेशेल्स, भारत की महासागर से जुड़ी सोच का अहम हिस्सा है।

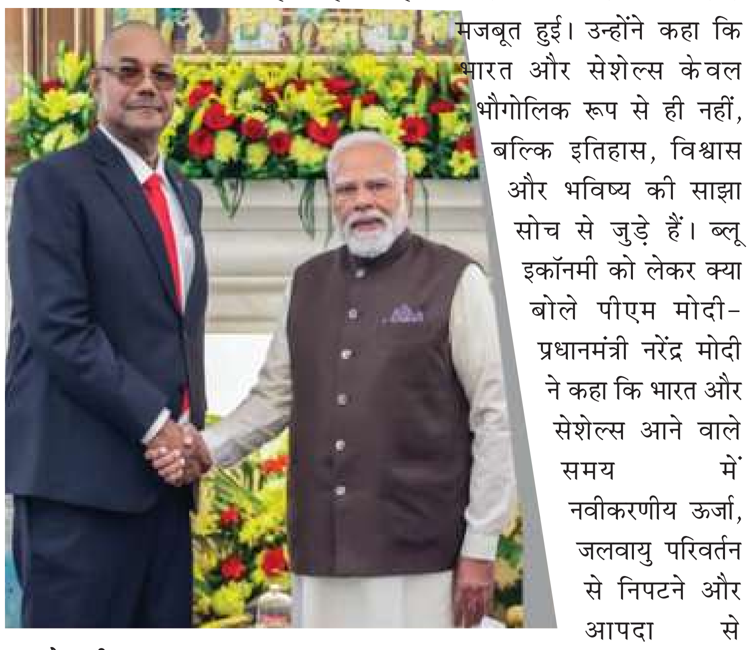

उन्होंने कहा कि भारत और सेशेल्स के बीच सहयोग जमीन, समुद्र और हवा तीनों क्षेत्रों में लगातार मजबूत हो रहा है। भारत-सेशेल्स के रिश्ते के 50 साल- पीएम मोदी उन्होंने कहा कि यह यात्रा एक खास साल में हो रही है, क्योंकि सेशेल्स अपनी आजादी के 50 साल पूरे कर रहा है और भारत-सेशेल्स के बीच राजनयिक संबंधों को भी 50 वर्ष हो चुके हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि ये ऐतिहासिक मौके दोनों देशों को रिश्तों को और नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए प्रेरित करेंगे। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और सेशेल्स का रिश्ता सिर्फ कूटनीति तक सीमित नहीं है। हिंद महासागर की लहरों ने दोनों देशों के लोगों को सदियों से जोड़ा है। यहां व्यापार फला-फूला, संस्कृतियों का मेल हुआ और आपसी भरोसे की परंपरा मजबूत हुई। उन्होंने कहा कि भारत और सेशेल्स केवल भौगोलिक रूप से ही नहीं, बल्कि इतिहास, विश्वास और भविष्य की साझा सोच से जुड़े हैं। ब्लू इकॉनमी को लेकर क्या बोले पीएम मोदी- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत और सेशेल्स आने वाले समय में नवीकरणीय ऊर्जा, जलवायु परिवर्तन से निपटने और आपदा से मजबूती (रेजिलिएंस) जैसे क्षेत्रों में सहयोग और बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि समुद्री पड़ोसी होने के नाते ब्लू इकॉनमी दोनों देशों के लिए सहयोग का स्वाभाविक क्षेत्र है। पीएम मोदी ने कहा कि दोनों देश मिलकर न सिर्फ आपसी सहयोग को मजबूत करेंगे, बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र के साझा भविष्य को भी आकार देंगे। पीएम मोदी ने कहा कि भारत-सेशेल्स रिश्तों की सबसे बड़ी ताकत लोगों से लोगों के बीच संबंध हैं। सेशेल्स में रहने वाले भारतीय समुदाय ने वहां के सामाजिक और आर्थिक विकास में अहम योगदान दिया है और पीढ़ियों से दोनों देशों की दोस्ती को मजबूत किया है। उन्होंने बताया कि बैठक में पर्यटन, शिक्षा और खेल के जरिए इन रिश्तों को और मजबूत करने पर चर्चा हुई। साथ ही दोनों देशों के युवाओं के बीच आदान-प्रदान बढ़ाने पर खास जोर दिया जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज की बैठक से साफ है कि भारत और सेशेल्स की साझेदारी अब नए दौर में प्रवेश कर रही है। इस मौके पर दोनों देशों ने भारत-सेशेल्स संयुक्त विज़न दस्तावेज भी जारी किया, जो आने वाले वर्षों में सहयोग का रोडमैप होगा।पीएम मोदी के बाद सेशेल्स के राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी ने संबोधन में कहा कि हैदराबाद हाउस में आकर उन्हें सम्मान महसूस हो रहा है। उन्होंने बताया कि जून में भारत और सेशेल्स अपने राजनयिक संबंधों की 50वीं वर्षगांठ मनाएंगे, जो सेशेल्स की आजादी के 50 साल पूरे होने के साथ होगी। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। राष्ट्रपति हर्मिनी ने कहा कि दोनों देशों ने अगले पांच वर्षों के सहयोग को लेकर साझा विज़न पर चर्चा की है। उन्होंने कहा कि हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता दोनों देशों के रिश्तों का अहम हिस्सा है। उन्होंने यह भी बताया कि सेशेल्स की अर्थव्यवस्था में पर्यटन की बड़ी भूमिका है और भारत एक उभरता हुआ अहम बाजार है, जिसे बेहतर हवाई संपर्क का भी समर्थन मिल रहा है।

संक्षिप्त समाचार

भारत माता से नहीं शुरु होता संविधान', ओवैसी ने देशभक्ति को धर्म से जोड़ने पर कही बात

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि भारतीय संविधान वी द पीपल शब्दों से शुरू होता है, न कि भारत माता के नाम से। उन्होंने संविधान की धर्मनिरपेक्ष और समावेशी भावना पर जोर दिया। अनुच्छेद 25 के तहत धार्मिक स्वतंत्रता का हवाला देते हुए कहा कि देशभक्ति को धर्म से जोड़ना सही नहीं।भारत के संविधान और राष्ट्रवाद की परिभाषा को लेकर एक बार फिर राजनीतिक बहस तेज हो गई है। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के एक बयान ने इस मुद्दे को नए सिरे से चर्चा के केंद्र में ला दिया है। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान की शुरुआत %वी द पीपल% यानी जनता से शुरू होता है, न कि भारत माता के नाम से। ओवैसी ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि संविधान सभी नागरिकों को समान अधिकार और धार्मिक स्वतंत्रता देता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि संविधान का आधार समावेशी और धर्मनिरपेक्ष मूल्यों पर टिका है। उन्होंने याद दिलाया कि प्रस्तावना में स्वतंत्रता, समानता, न्याय और बंधुता की बात कही गई है। खिलाफ है। वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ की बहस का जिक्र- ओवैसी ने अपने भाषण में संसद में हुई वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ पर हुई बहस का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि उस दौरान उन्होंने संसद में खड़े होकर कहा था कि 24 जनवरी 1950 को देश ने खुद को संविधान दिया

सदन में पेश हुई प्रदेश सरकार की पहली आर्थिक समीक्षा, राज्य में बढ़ी है प्रति व्यक्ति आय

वित्त मंत्री ने सदन में कहा कि आज हम सब एक ऐतिहासिक पल के साक्षी बन रहे हैं, जब उत्तर प्रदेश भी भारत सरकार की तरह अपनी आर्थिक समीक्षा पहली बार सदन के समक्ष प्रस्तुत कर रहा है। वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने सोमवार को विधानमंडल के बजट सत्र के पहले दिन उत्तर प्रदेश की पहली आर्थिक समीक्षा सदन के पटल पर प्रस्तुत की। समीक्षा में प्रदेश की अर्थव्यवस्था, निवेश, प्रति व्यक्ति आय, राजकोषीय स्थिति और क्षेत्रीय योगदान को विस्तार से सामने रखा गया है। वित्त मंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था ने बीते आठ वर्षों में विस्तार किया है। वर्ष 2016-17 में ?13.30 लाख करोड़ की अर्थव्यवस्था, वर्ष 2024-25 में बढ़कर ?30.25 लाख करोड़ पार कर चुकी है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में इसके ?36 लाख करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। यह वृद्धि उत्तर प्रदेश को देश की सबसे बड़ी राज्य अर्थव्यवस्थाओं में मजबूती से स्थापित करती है।वित्त मंत्री ने सदन में कहा कि आज हम

सब एक ऐतिहासिक पल के साक्षी बन रहे हैं, जब उत्तर प्रदेश भी भारत सरकार की तरह अपनी आर्थिक समीक्षा पहली बार सदन के समक्ष प्रस्तुत कर रहा है। प्रदेश की आर्थिक समीक्षा केवल आंकड़ों का संकलन नहीं, बल्कि राज्य की प्रगति, जनता की आकांक्षाओं और भविष्य की संभावनाओं का जीवंत दस्तावेज है। भारत की सांस्कृतिक धरोहर और ऐतिहासिक गौरव का प्रतीक, उत्तर प्रदेश आज नई आर्थिक दृष्टि और ऊर्जा के साथ अपने लक्ष्यों की ओर अग्रसर है। प्रदेश की अर्थव्यवस्था 25 करोड से अधिक नागरिकों की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है, जो इसे कृषि उत्पादन, औद्योगिक विकास और तकनीकी नवाचार का प्रमुख केंद्र बना रहा है।वित्त मंत्री ने कहा कि एक समय निवेशकों की प्राथमिकता सूची में न रहने वाला उत्तर प्रदेश अब औद्योगिक निवेश का प्रमुख केंद्र बन चुका है। पारदर्शी नीतियों, समयबद्ध स्वीकृतियों और 'ट्रिपल एस' (सेफ्टी, स्टेबिलिटी और स्पीड) की गारंटी के चलते प्रदेश को अब तक 50 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। यह निवेश वातावरण में आए निर्णायक बदलाव को दर्शाता है।राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में बढ़ा उत्तर प्रदेश का योगदान-आर्थिक समीक्षा के अनुसार, राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में उत्तर प्रदेश का योगदान वर्ष 2016-17 के 8.6 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2024-25 में 9.1 प्रतिशत तक पहुंच गया है। यह वृद्धि प्रदेश की आर्थिक मजबूती और राष्ट्रीय विकास में बढ़ती भूमिका को रेखांकित करती है।प्रति व्यक्ति आय में ऐतिहासिक बदलाव- समीक्षा में बताया गया कि स्वतंत्रता के बाद पहली बार उत्तर प्रदेश ने प्रति व्यक्ति आय में गिरावट के लंबे रुझान को पलटा है। के लिए इसके ?1,20,000 तक पहुंचने का अनुमान लगाया गया है। राष्ट्रीय औसत की तुलना में भी प्रति व्यक्ति आय अनुपात में सुधार दर्ज किया गया है। 2014-15 में यह राष्ट्रीय औसत का केवल 50.2ल रह गई थी, जबकि 2024-25 में गिरावट के रुख में बदलाव करते हुए प्रतिव्यक्ति अनुपात बढ़कर 53.5ल हो गया। कृषि, उद्योग और सेवा तीनों क्षेत्र में संतुलित विकास आर्थिक समीक्षा के अनुसार, वर्ष 2024-25 में प्रदेश की जीएसडीपी में कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों की हिस्सेदारी 25.8 प्रतिशत, औद्योगिक क्षेत्र की 27.2 प्रतिशत तथा सेवा क्षेत्र की 47 प्रतिशत रही है। यह दर्शाता है कि उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था अब केवल कृषि आधारित न रहकर बहु-क्षेत्रीय विकास की ओर अग्रसर है।

यूपी विधानसभाः राज्यपाल पढ़ती रहीं अभिभाषण, सपा लगाती रही गर्वनर गो बैक के नारे; एसआईआर पर हंगामा

यूपी विधानमंडल का बजट सत्र सोमवार से शुरू हो गया। सत्र के पहले दिन राज्यपाल ने अपना अभिभाषण पढ़ा। इस दौरान सपा सदस्यों ने हंगामा कियाविधानमंडल के बजट सत्र की सोमवार को शुरुआत से पहले राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने दोनों सदनों के संयुक्त अधिवेशन को संबोधित किया। राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में राज्य सरकार की उपलब्धियों का बखान करना शुरू ही किया था कि समाजवादी पार्टी के सदस्य नारे लिखे पोस्टर और राजमाता अहिल्याबाई होल्कर की तस्वीरें लेकर वेल में आ गए और हंगामा करने लगे। करीब 35 मिनट के राज्यपाल के संबोधन के दौरान सपा सदस्य लगातार हंगामा करते रहे। हालांकि राज्यपाल ने अभिभाषण पढ़ना जारी रखा।राज्यपाल के विधानसभा के मुख्य मंडप में आने से पहले ही सपा सदस्य लगातार नारेबाजी कर रहे थे। करीब 11 बजे राज्यपाल के आने पर संयुक्त अधिवेशन की शुरुआत राष्ट्रगान से हुई। इसके बाद 11¬05 बजे विधानसभा अध्यक्ष ने राज्यपाल से अभिभाषण पढ़ने का अनुरोध किया तो सपा सदस्य संग्राम

सिंह मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के मुद्दे पर अपनी बात कहने लगे। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने उनसे कहा कि सत्र के दौरान सबको हर मामले पर अपनी बात रखने का मौका दिया जाएगा। हालांकि सपा सदस्यों ने विरोध करना शुरू कर दिया और सभी वेल में आकर %गवर्नर मैडम गो बैक% का नारा लगाने लगे। सपा सदस्यों के शोर मचाने पर राज्यपाल ने कहा कि इतना चिल्लाने से गला बैठ जाएगा। सपा सदस्य भाषण बंद करो के नारे लगाते रहे, जबकि भाजपा और उसके सहयोगी दल राज्यपाल द्वारा गिनाई जा रहीं प्रदेश सरकार की उपलब्धियों का मेज थपथपाकर सराहना करते रहे।राज्यपाल ने प्रदेश के 121 राजकीय पॉलीटेक्निक संस्थानों में एक्सीलेंस सेंटर और 251 स्मार्ट क्लास रूम की स्थापना का जिक्र करने के दौरान सपा सदस्यों के शोरगुल पर तंज कसते हुए कहा कि आपके समय में यह सब जीरो था। उन्होंने आगे कहा कि पांच साल तक जीरो पर ही रहे। उन्होंने हाथ से जीरो की आकृति बनाकर सपा सदस्यों को आईना दिखाते हुए कुछ और भी कहा, जिसके बाद सपा सदस्यों ने तेज आवाज में हूटिंग शुरू कर दी। इसकी वजह से राज्यपाल की बात नहीं सुनी जा सकी।हंगामे में शामिल नहीं हुईं पल्लवी पटेल- सपा सदस्यों द्वारा हंगामा करने के दौरान विधायक पल्लवी पटेल अपनी जगह पर बैठी रहीं। उन्हें कई बार सपा सदस्यों ने वेल में आने को कहा, लेकिन उन्होंने अनसुना कर दिया। वहीं सपा के बागी विधायक भी अपनी जगहों पर बैठे रहे।

यूपी विधानसभाः राज्यपाल पढ़ती रहीं अभिभाषण, सपा लगाती रही गर्वनर गो बैक के नारे; एसआईआर पर हंगामा

उत्तर प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र की शुरुआत राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के अभिभाषण से हुई। इस पर बसपा प्रमुख मायावती ने असंतोष जताते हुए कहा कि भाषण में महंगाई, बेरोजगारी, कानून-व्यवस्था और जनसुरक्षा जैसे अहम मुद्दों पर अपेक्षित जोर नहीं दिया गया।उत्तर प्रदेश विधानसभा का बजट सत्र सोमवार को राज्यपाल के विधानमंडल के संयुक्त अधिवेशन को संबोधन के साथ शुरू हुआ। हालांकि मायावती ने राज्यपाल के अभिभाषण को लेकर असंतोष जताया और इसे परंपरागत व अपेक्षाकृत औपचारिक बताया।उन्होंने कहा कि अभिभाषण में प्रदेश के विकास और सर्वसमाज के उत्थान की बात तो की गई, लेकिन आम जनता से जुड़ी गंभीर समस्याओं पर अपेक्षित स्पष्टता और संवेदनशीलता नहीं दिखी। उनका आरोप है कि प्रदेश में करोड़ों लोग महंगाई,

बेरोजगारी और गरीबी जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं, वहीं कानून-व्यवस्था और सुरक्षा को लेकर भी लोगों में चिंता बनी हुई है।जनता को अपने जान-माल और धार्मिक सुरक्षा को लेकर आशंकाएं सता रही हैं, जिन पर राज्यपाल के संबोधन में सरकार का ध्यान आकर्षित किया जाना चाहिए था। इसी मुद्दे को लेकर अभिभाषण के दौरान विपक्षी सदस्यों ने नारेबाजी की और हंगामा भी किया। अभिभाषण में सरकार द्वारा किए गए जनहित और जनकल्याण से जुड़े वादों व घोषणाओं की प्रगति का ठोस विवरण नहीं दिया गया, जिससे आम लोगों में निराशा है। विपक्ष का मानना है कि इन मुद्दों को आगामी बजट भाषण में समुचित रूप से शामिल किया जाना चाहिए, ताकि जनता को राहत और भरोसा मिल सके।

संपादकीय Editorial

Trade Agreements and Farmers

Prime Minister Modi revealed in his parliamentary address that India has signed trade agreements with nine countries and negotiations are ongoing with 24 others. Commerce Minister Piyush Goyal also informed Parliament that India and six Gulf Cooperation Council countries agreed on the terms for starting negotiations on a free trade agreement on Thursday. These countries include the United Arab Emirates, Saudi Arabia, Qatar, Kuwait, Bahrain, and Oman. The Commerce Minister also revealed that the India-US joint statement will be made public in four to five days, while the agreement will be signed in mid-March. Clearly, much remains to be determined. The two countries have only agreed in principle. The opposition's rant in this regard is beyond comprehension. Leader of the Opposition in the Rajya Sabha, Mallikarjun Kharge, even said that the agreement would ruin Indian farmers. Someone said that farmers have been betrayed in the dark of night. Why are opposition leaders lamenting the "anti-farmer agreement," when even Union Agriculture Minister Shivraj Singh Chouhan has clarified that no compromise has been made regarding the agriculture and dairy sectors? Farmers and livestock owners are completely safe and protected. The reality is that India has to import many agricultural products because our farmers cannot produce as much as they need. People need them. We import pulses, nuts, edible oils, fruits, and vegetables worth $26 billion. This means that foreign companies are present in the Indian market and are doing business worth billions of dollars. Of course, imports of these agricultural products from the United States are reduced. If these imports from the United States are cheaper, will we stick to the agreement and not buy these products from the United States? This is a very sensitive question. Since these products are consumed and needed in the country, importing them is a "national compulsion." A report by the State Bank of India states that if dairy products from the United States were imported into India, dairy farmers here would suffer a loss of approximately ?103,000 crore. Is this accurate and practical report? It is also being argued that cows in the United States are fed meat and fat, so their milk will contain these ingredients, potentially corrupting the religion of countless Indians. Overall, it appears as if the agriculture and dairy sectors are still crippled and incomplete. However, India's dairy business is worth ?7.5-9 lakh crore. We have also claimed to be the world's largest milk producer. We have also experienced and endured periods of milk shortage and crisis. When 'Operation Flood' was launched in India on January 13, 1970, it was hailed as the world's largest dairy development program. It was even called the "White Revolution," but before that, India was a milk-deficient country. The architect of this "White Revolution" was Dr. Verghese Kurien. The situation with agriculture is similar. Even after 78 years of independence, millennia-old agriculture is in no position to compete with foreign competition. Farmers are also poor and dependent on government aid, so India still has to protect both agriculture and farmers. During trade agreement negotiations, India has to stick to these two issues. However, trade agreements with the European Union and the United States would have been finalized long ago! Farmers are also a political liability for India. Everyone has to bow to the pressure of this vote bank. Agriculture contributes only 1 percent to the US GDP and 1.6 percent to the European Union, but agriculture still contributes 16.3 percent to Indian GDP, making it a highly sensitive sector. The Indian government should consider these aspects and allow agriculture.

Exams are not the ultimate goal of life.

School and district-level education officials have been tasked with translating the principles of this initiative into reality. This includes establishing wellness committees in schools, organizing workshops on stress management and study skills, enhancing parent-teacher communication, and recognizing students' achievements in multiple areas rather than just marks. The "Pariksha Pe Charcha" initiative reduces student stress. The Prime Minister emphasizes making learning joyful, with a special focus on mental health and skill development. Launched in India to reduce exam stress and make learning a joyful process, the "Pariksha Pe Charcha" initiative has now become a major public engagement. Originating from a conversation between Prime Minister Narendra Modi and students in 2018, the initiative has now expanded to include millions of students, parents, and teachers. In 2025, the program set a Guinness World Record when over 35.3 million people registered to participate in a single month. Its total reach reached over 210 million viewers, including Indian schools abroad. The program conveys to students that exams are not the ultimate goal of life, but merely a key stage in the learning journey.The Prime Minister repeatedly emphasizes that exams only measure preparation at a particular moment, while learning is continuous and enjoyable. The National Education Policy 2020 deeply emphasizes the concept of "lifelong learning." A key objective of this program is that percentage marks cannot define a child's entire personality. Children are encouraged to go beyond textbooks and learn different skills, try new activities, and view challenges as opportunities rather than fears. Mental health has been given special importance in this initiative. Experts are introducing students to simple ways to reduce stress, including healthy routines like the 5-4-3-2-1 grounding technique, adequate sleep, water, exercise, and meditation. 5-4-3-2-1 is a sensory-based meditation practice designed to calm racing thoughts by using all five senses and ultimately narrow them down to one. Doing so shifts your focus from anxious thoughts to the present moment. This technique was developed by Betty Alice Erikson in the 18th century. Many sports figures have shared their experiences, stating that sports don't hinder studies, but rather help reduce stress and maintain focus. The increasing prevalence of digital media has raised concerns that it is causing cognitive decline and adversely affecting mental health. There are 5.66 billion digital media profiles worldwide. People spend 15 billion hours viewing content on digital media platforms every day, equivalent to more than 1.7 million years of human life. Excessive use is leading to the rise of "digital dementia," which causes a loss of gray matter in areas of the brain responsible for emotional regulation and impulse control. We are in no position to reject digital media, so we must set healthy limits for its use. Technology experts advise students to use mobile and digital devices in a controlled manner, so that technology becomes a help, not a burden. The Pariksha Pe Charcha program also sends an important message to parents: focus their children not only on marks, but on the learning process. Avoid comparing children with others and create an environment at home where children can openly share their fears, challenges, and hopes. Parents' supportive behavior is most helpful in children's exam preparation. Indian educational philosophy considers the acquisition of knowledge not a solitary process but a shared path. The Pariksha Pe Charcha program urges teachers to move beyond the culture of rote learning and promote critical thinking and creativity. This program is in line with the vision of the National Education Policy, which emphasizes student-centered, stress-free, and experiential learning. The evaluation system needs to be transformed so that exams measure understanding, application, and development, not just memorization. The use of digital platforms has also been considered crucial to making education more accessible. Schools and district-level education officials have been tasked with translating the principles of this initiative into reality. This includes establishing wellness committees in schools, conducting workshops on stress management and study skills, increasing parent-teacher communication, and recognizing student achievement in multiple areas rather than just marks. To ensure this, it is crucial to make resources like Exam Warriors, curated by the Prime Minister, accessible to every student. Ultimately, Pariksha Pe Charcha is not just a program, but a significant step towards positive change in the Indian education system. Its message is clear: exams are not a burden, but an opportunity to learn, grow, and understand oneself.

The system has collapsed due to potholes, and the administration remains unresponsive even after deaths.

Deaths in Noida and Delhi due to falling into open potholes have exposed administrative negligence. The article states that despite such incidents, officials are failing to learn lessons, leading to unnecessary deaths. The lack of barricades and warning signs, along with superficial actions such as suspensions, demonstrate the failure of the system. This is described not as an accident, but as "murderous negligence," where responsible officials are held accountable. The deaths due to potholes in Noida and Delhi have exposed administrative negligence. The lack of barricades and warning signs on open potholes, and the lack of strict action against the responsible officials. The death of an engineer in a car in Noida after falling into a pothole in Delhi had not yet subsided when a young man riding a motorcycle also died in Delhi. This pothole was dug by the Delhi Jal Board. Like Noida, this pothole in Delhi also had neither barricades nor any warning signs. This means that even after the Noida incident, no lessons were learned in neighboring Delhi. Like in Noida, some officials have been suspended for the Delhi incident, and an investigation has been ordered. No matter what is done, the young man who died will not be able to return to life. Calling this young man's death an accident would be undermining the gravity of the incident. This is not an accident, but a murderous negligence. Incidents like Noida and Delhi are no exception. Such incidents occur frequently in our country. People die by falling into potholes dug on the roadside or on broken roads. Many fatalities occur because dangerous places are shrouded in darkness and there are no warning signs. When this is the situation in the country's capital and its surrounding areas, it's easy to imagine how much vigilance must be maintained in remote cities. In large cities, deaths caused by administrative inefficiency and callousness are still discussed, and some action, albeit superficial, is taken, but in smaller cities, no one pays any attention. Countless people lose their lives every year due to the negligence of the agencies responsible for providing roads, electricity, water, street lighting, and traffic. These deaths are generally termed accidents, and those who lose their loved ones accept them as the law. However, the truth is that fatal incidents like those in Noida and Delhi continue to occur because the employees and officials responsible for the deaths never face severe punishment. They are, at best, suspended. Everyone knows that suspension is not a punishment, and stricter action like dismissal is rarely taken. Responsible departments are not even heavily fined. Consequently, no one is alerted. The result is shoddy, haphazard, and time-consuming construction, which often invites risk. This shameful situation not only mocks the slogan of developed India, but also reveals that the governance and administration are mired in pits.

समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने दिए निर्देश, गुणवत्ता के साथ तय समय में पूरा करें निर्माण

मुरादाबाद । डीएम अनुज सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में हुई बैठक में 50 लाख रुपये से अधिक लागत वाली निर्माणाधीन परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। उन्होंने कार्यदायीं संस्थाओं को निर्देश चल रही हैं उन पर आने-जाने कार्यों की गुणवत्ता पर ध्यान हैंडओवर कराएं। कार्यदायीं संस्था के सुदृढ़ीकरण में प्रगति धीमी कराने का निर्देश दिया। राजकीय रतनपुर कलां में स्टेडियम ओपन संस्थान का कार्य समय से पूरा में आईटीआई निर्माण व फर्नीचर कन्वेंशन सेंटर एवं मैरिज हॉल में पंचायत घर में पुस्तकालय शूट राज्य सेतु निगम द्वारा पंडित सेतु के निर्माण की भौतिक प्रगति बैठक में जिला विकास अधिकारी अधिशासी अभियंता लोनिवि, अधिकारी, जिला गन्ना अधिकारी संस्थाओं के प्रबंधक/प्रतिनिधि निर्माण की प्रगति लक्ष्य अनुरूप अभियंत्रण विभाग द्वारा कस्तूरबा

दिया कि जिले में जो भी निर्माण परियोजनाएं का रास्ता होना सुनिश्चित करें। साथ ही निर्माण रखकर निर्धारित समय में कार्य पूरा कर यूपीसीएनडीएस द्वारा राजकीय प्रक्षेत्र रौंडा होने पर नाराजगी जताई। समय से काम पूरा निर्माण निगम लिमिटेड द्वारा ग्राम पंचायत जिम निर्माण व बिलारी में गन्ना किसान कराने को कहा। सीएनडीएस द्वारा मूंढापांडे उपकरण और बिलारी में प्रशासनिक भवन, निर्माण तथा नगर पंचायत महमूदपुर माफी सेंटर समय से पूरा कराने का निर्देश दिया। नगला बाईपास पर रेलवे क्रॉसिंग ऊपरीगामी 73.88 प्रतिशत होने पर नाराजगी जताई। जीबी पाठक, परियोजना अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला पूर्ति और अन्य विभागों के अधिकारी व कार्यदायी उपस्थित रहे। बा स्कूल में छात्रावास भवन न मिलने पर जताई नाराजगी ग्रामीण गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में एकेडमिक ब्लॉक एवं बालिका छात्रावास भवन निर्माण की प्रगति लक्ष्य के अनुरूप न होने पर नाराजगी जताकर कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। उ.प्र. जल निगम ग्रामीण द्वारा रुस्तमनगर सहसपुर में सोलर पैनल एवं मिट्टी भराव का कार्य कैंपस में शेष रहने और राजकीय निर्माण निगम को निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया।

वृद्धा की गला दबाकर हत्या करने वाली आरोपी महिला को किया गिरफ्तार

मुरादाबाद । टांडा में संदिध परिस्थितियों में मौत का मामला पुलिस ने सुलझा लिया है। महिला की दिन-दहाड़े गला दबाकर हत्या की गई थी। मामले में कोतवाली पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। भतीजे की तहरीर पर पुलिस ने कार्रवाई की है। पत्नी रफत शाहीन की गला दबाकर हत्या कर दी, हाजी गोद लिया था। वो बचपन से उनके साथ रह रहा था। भतीजे तरह अपने घर से समय करीब 12.30 बजे अपनी कपड़े की गुलफ्शा पत्नी नावेद निवासी मोहल्ला आजाद नगर टांडा बैठी हारिस को जानकारी मिली कि उसकी माता घर में अचेत माता बेड पर पड़ी थी,। इस पर हारिस ने अपनी मां को युवक ने अपनी माता को छूकर देखा और आनन-फानन में थी। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई जिसपर पुलिस इस दौरान पुलिस ने आसपास के तमाम केमरो की सीसीटीवी आरोपी महिला गुलफ्शा को मौहल्ला आज़ादनगर से हिरासत आरोप- वारदात के बाद घटनास्थल पर मौजूद मोहम्मद जान ली है, बल्कि घर की खुशियों पर भी डाका डाला है। जेवरात और लाखों रुपये की नगदी रखी थी, जो घटना के

शनिवार को नगर के मोहल्ला नज्जूपूरा निवासी हाजी शफी की 65 वर्षीय शफी के औलाद न होने के चलते उन्होंने अपनी पत्नी के भतीजे को मोहम्मद हारिस ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह रोजाना की दुकान मस्जिद ठेकेदार वाली गली पर आया। उस समय माता के पास थी। कुछ समय बीत जाने के बाद करीब 14.30 बजे किसी महिला द्वारा अवस्था में पड़ी है। इस सूचना पर जब वह अपने घर पहुंचा तो उसकी आवाज लगाई और बोलने की कोशिश की तो कोई उत्तर नहीं मिला। पास के डॉक्टर को दिखाया। लेकिन तक उनकी मां की मृत्यु हो चुकी मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाये फॉरेनसिक टीम भी मौके पर पहुंची, फूटेज निकाली गई, पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर में लेकर न्यायलय के समक्ष पेश किया जा रहा है। लूटपाट का लगाया हारिस ने बताया था कि लुटेरों ने न केवल हमला कर मेरी फूफी की हारिस के अनुसार घर में उसकी शादी के लिए एकत्रित किए कीमती बाद से नदारद है। दिन दहाड़े नगर के बीचों बीच हर समय चलते रॉड पर हुई हत्या से नगर के लोग दहशत में हैं। लोगों का कहना है कि मीना बाजार हर समय भींड भाड़ से भरा रहता है। गली में हत्या के बाद परिवार की महिलाओं दहशत है।

स्वच्छता के दावे हवा, गोट में गंदगी का अंबार, गांव की नालियों में भरी कीचड़

मुरादाबाद । ग्राम पंचायत गोट में सड़कों पर लगे कूड़े के ढेर, बंद नालियां और जलभराव स्वच्छता की हकीकत बयां कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद रास्तों पर महीनों से कूड़े के ढेर लगे हैं। ग्रामीणों को मजबूरी में पड़ रही है, जिसे उन्होंने मौके पर दिखाकर अपनी रविवार को मुरादाबाद ब्लॉक की ग्राम पंचायत गोट दिखाई दिया। गांव निवासी राजवीर सिंह ने बताया आलोक कुमार शर्मा से मिलकर गंदगी की लिखित सुधार नहीं हुआ। ग्रामीणों के अनुसार मुख्य सड़क जलभराव की स्थिति बनी हुई है। ग्रामीणों ने आरोप ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। वहीं सफाई कर्मचारी आती हैं और प्रधान के निर्देशानुसार सीमित सफाई के गेट से लगा नाला कूड़े से पूरी तरह बंद पड़ा है, रही है। सड़कों पर भरे पानी के बीच से गुजर कर रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि वे पिछले छह शिकायत करने पर भी प्रधान और सचिव द्वारा केवल से मांग की है कि गांव में नियमित सफाई कराई जाए

खुद ही नालियों में भरी कीचड़ हाथ से निकालनी पीड़ा जाहिर की। जिससे लोगों में रोष है। की गलियों में लंबे समय से जमा कूड़ा साफ कि उन्होंने जिला पंचायत राज अधिकारी शिकायत भी दी थी, लेकिन हालात में कोई पर स्थित नालियां पूरी तरह बंद हैं, जिससे लगाया कि ग्राम प्रधान असलम हुसैन इस सविता गांव में करीब 15 दिन में एक बार कर चली जाती हैं।गांव के प्राथमिक विद्यालय जिससे उठ रही दुर्गंध वातावरण को दूषित कर ग्रामीणों को अपने घरों तक आना-जाना पड़ महीनों से इस समस्या को झेल रहे हैं, लेकिन टालमटोल किया जा रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।क्या बोले ग्रामीण-घर के सामने काफी लंबे समय से नालियां बंद पड़ी हैं। जिसकी वजह से घर के आगे हर वक्त गंदी पानी भर रहा है। घर में आने पर पहले पैर धोने पड़ते हैं, नहीं तो गंदे पानी के बीच से गंदगी घर में आती है।- सर्वेश कुमारी, गांव निवासी- गांव निवासी अर्जुन सिंह ने बताया कि प्राइवेट बैंक में मैनेजर हूं लेकिन हर दूसरे दिन मुझे घर के आगे बनी नाली में भरी कीचड़ को साफ करना पड़ता है। कई बार प्रधान से कहा, लेकिन नालियों में भरी कीचड़ नहीं निकलवाई गई। उप निदेशक पंचायत राज अभय कुमार के मुताबिक अभी फिलहाल डीपीआरओ छुट्टी पर हैं। गांव गोट में गंदगी की शिकायत मिली है जल्द ही गांव में टीम भेज कर सफाई कराई जाएगी। वहीं सफाई कर्मचारी और प्रधान को डीपीआरओ द्वारा नोटिस भेज कर गांव में फैली गंदगी कारण पूछा जाएगा, साथ ही विभागीय कार्रवाई भी कराई जाएगी।

19 साल बाद महाशिवरात्रि पर दुर्लभ ग्रहों का संयोग, 15 फरवरी को मनाया जाएगा महाशिवरात्रि पर्व

मुरादाबाद । 19 साल बाद अत्यंत दुर्लभ ग्रहों का संयोग महाशिवरात्रि पर बन रहा है। जिसमें शनि, सूर्य, बुध और राहु की युति से कुंभ राशि में चर्तुग्रही योग का निर्माण हो रहा है। इसके साथ ही, चंद्रमा मकर राशि में, मंगल धनिष्ठा नक्षत्र में और इस महाशिवरात्रि पर 19 साल बाद बन रहा है महालक्ष्मी योग इन 4 राशियों पर शिव और लक्ष्मी की असीम कृपा बरसेगी। ज्योतिषाचार्य पं केदार मुरारी ने बताया कि महाशिवरात्रि को गुरु वृषभ राशि में रहकर आध्यात्मिक उन्नति, समृद्धि और शुभ फलों की वृद्धि करेंगे। उन्होंने बताया कि इससे पहले 2007 में यह संयोग बना था। ज्योतिषाचार्य ने बताया कि इस साल फाल्गुन माह की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि की शुरुआत 15 फरवरी को शाम 5 बजकर 4 मिनट पर होगी। इस तिथि का समापन 16 फरवरी को शाम 5 बजकर 34 मिनट पर है। तिथि के मुताबिक, महाशिवरात्रि का पर्व 15 फरवरी को मनाया जाएगा।ऐसे करें महादेव की पूजा- 15 फरवरी को महाशिवरात्रि के दिन प्रात: भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए जलाभिषेक करें। शिव को प्रिय बेलपत्र भांग धतूरा आक व शमी पत्र चढ़ाएं। दूध दही घी शहद बूरा (पंचामृत) अर्पण करें। इन चार प्रहरों में रूद्राभिषेक करें- - पहला प्रहर (शाम 6͞39 -9͞45 बजे तक)͞ शाम ढलते ही पूजा शुरू करें। सबसे पहले झाड़-पोछ कर शिवालय को स्वच्छ बनाएं। शिवलिंग के समक्ष शांति से ? नम: शिवाय पंचाक्षरी मंत्र का जाप करें और रुद्री का पाठ करते हुए अभिषेक करें महामंत्र महामृत्युजय का जाप करें। - दूसरा प्रहर (9͞45 -12͞52 बजे)͞ इस समय दीप, अगरबत्ती और धूप से शिवजी का दीप पूजन करें। चंदन लगाकर शिवलिंग के चारों ओर ध्यान से चक्कर लगाएं। इस बीच भगवान शिव की प्रसन्नता के लिए फल और मिठाई/मोदक भी अर्पित करें। - निशीथ काल (12͞28 -1͞17बजे) ͞ यह समय सबसे शुभ और खास माना जाता है। इसी समय भजन-कीर्तन, शिव स्तुति या लंबा ? नम: शिवाय मंत्र जाप करें। अगर सभी प्रहर करने का मन है तो यही रात का मुख्य पूजा समय है। - तीसरा प्रहर (दोपहर 12͞52 से 3͞59 बजे तक)͞ इस प्रहर में शिवजी के ध्यान (ध्यान मुद्रा में) बैठें, मन को शांत रखें और मनोकामनाओं को ध्यान में लाकर भक्ति करें। - चतुर्थ प्रहर (3͞59 से-7͞06तक) ͞ सुबह होते ही अंतिम चरण में शिवजी के लिए दीप जलाएं, आरती करें और ब्रह्म मुहूर्त के समय अपने प्रियजनों के साथ पूजा का समापन करें। सुबह के ताजे वातावरण में शिवजी को प्रसाद और जल अर्पित करें।

संक्षिप्त समाचार

सील अस्पताल में ऑपरेशन की थी तैयारी, बाहर भीड़ देख कमरे में बंद किए मरीज

मुरादाबाद । कोतवाली क्षेत्र के ग्राम रामूवाला गणेश में सील किए जा चुके एक निजी अस्पताल में झोलाछाप द्वारा मरीजों को भर्ती कर ऑपरेशन की तैयारी किए जाने का मामला उजागर हुआ है। जिसने स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए

हैं। एजेएस हेल्थ केयर अस्पताल को हाल ही में स्वास्थ्य विभाग ने अवैध संचालन, पंजीकरण के अभाव और योग्य डॉक्टरों की कमी के चलते सील किया था। शनिवार देर रात करीब 12 बजे जब पत्रकारों के साथ लोग मौके पर पहुंचे तो सच्चाई कुछ और ही निकली। सूत्रों के अनुसार अस्पताल में गर्भवती सहित दो मरीज भर्ती थे और ऑपरेशन की तैयारी चल रही थी। जैसे ही अस्पताल संचालक की नजर बाहर मौजूद लोगों पर पड़ी तो आनन-फानन में मरीजों को दूसरी मंजिल पर बने कमरे में बंद कर दिया गया, जबकि तीमारदारों को आधी रात में ही अस्पताल से बाहर निकाल दिया गया। सवाल पूछे जाने पर अस्पताल संचालक ने न केवल गैरजिम्मेदाराना रवैया अपनाया, बल्कि खुलेआम दबंगई दिखाते हुए दावा किया कि बिना सेटिंग के कोई काम नहीं होता। सील दो-तीन दिन में खुल जाएगी। सीएमओ साहब से सीधी सेटिंग है, हमें कोई रोक नहीं सकता। सील किए जाने की प्रक्रिया पर उठे सवाल अस्पताल को सील किए जाने की प्रक्रिया पर भी सवाल उठने लगे हैं। जानकारी के अनुसार मुख्य शटर पर तो सील लगाई गई थी, लेकिन पास में बने लोहे के दरवाजे को खुला छोड़ दिया गया। अंदर के केबिनों पर मात्र मास्किंग टेप लगाकर सील दर्शाई गई, जिसे हटाकर आसानी से आवागमन किया जा सकता है। सील अस्पताल में इस तरह खुलेआम इलाज और ऑपरेशन की तैयारी ने स्वास्थ्य विभाग की निगरानी और कार्रवाई की पोल खोल दी है।

फिल्म 'कल्कि संभल' में दिखाया जाएगा 1978 दंगे का मुरारीलाल फड़ नरसंहार

संभल के 1978 के साम्प्रदायिक दंगे और 24 नवंबर 2024 की हिंसा पर आधारित 'कल्कि संभल' फिल्म का दूसरा पोस्टर जारी हो गा। फिल्म में 1978 में मुरारी लाल की फड़ कांड को प्रमुखता से दिखाया जाएगा। यह वही घटना है, जिसमें संभल के बड़े व्यापारी बनवारी लाल गोयल उर्फ मुरारीलाल समेत हिंदू समुदाय के कई लोगों को जिंदा जलाकर मार दिया गया था। उदयपुर फाइल्स बना चुके अमित जानी ही कल्कि संभल फिल्म का निर्माण कर रहे हैं। एक सप्ताह पहले जारी पहले पोस्टर में 'अब्बाजान' और 'भाईजान' जैसे किरदारों के जरिए दंगों में डॉ. शफीकुर्रहमान और 24 नवंबर 2024 की हिंसा में उनके सांसद पौत्र जियाउर्रहमान बर्क की भूमिका को पर्दे पर लाने के संकेत दिए गए थे। अब दूसरे पोस्टर के जरिए 1978 के दंगों की सबसे भयावह घटना मुरारीलाल फड़ कांड को केंद्र में रखा गया है। बनवारी लाल गोयल संभल के मोहल्ला ठेर बाजार गंज के निवासी थे।उनकी मुरारीलाल एंड संस नामक फर्म थाना नखासा क्षेत्र में थी। 1978 के दंगों के दौरान जब शहर में भगदड़ मच गई थी, तब ग्रामीण क्षेत्रों से आए कई हिंदू अपनी जान बचाने के लिए मुरारीलाल की फड़ में शरण लेने पहुंचे थे। दंगाइयों ने फड़ के अंदर डीजल और पेट्रोल डाल और जलते टायर फेंककर आग लगा दी। इस आग में बनवारी लाल गोयल सहित कई लोग जिंदा जल गए। यह घटना उस समय पूरे देश को झकझोर देने वाली थी। रजनीश दुग्गल निभायेंगे लाला बनवारी लाल का किरदार- संभल, ͞ फिल्म में लाला बनवारी लाल गोयल का किरदार अभिनेता रजनीश दुग्गल निभा रहे हैं। निर्माता अमित जानी का कहना है कि फिल्म का दूसरा पोस्टर 1978 के दंगों के उस सच को सामने लाने का प्रयास है, जिसे लंबे समय तक नजरअंदाज किया गया। उनके अनुसार, उस समय उकसाई गई भीड़ द्वारा बनवारी लाल गोयल समेत कई अन्य को बेरहमी से जिंदा जलाया गया था और इसी सच्चाई को फिल्म के माध्यम से लोगों के सामने लाया जाएगा।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

करोड़ों खर्च फिर भी शुरू नहीं हो सके स्मार्ट सिटी के प्रोजेक्ट

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। स्मार्ट सिटी में 930 करोड़ से अधिक लागत की 63 परियोजनाओं को पूरा कर दिया गया है। लेकिन, इतनी भारी-भरकम धनराशि खर्च होने के बाद स्मार्ट सिटी के नाम पर शहर में विकास की जो बड़ी तस्वीर दिखाई गई थी वह मौजूदा समय में सवालों के घेरे में खड़ी नजर आ रही है। वजह यह है कि कई बड़ी परियोजनाएं अब तक शुरू नहीं हो सकी हैं। किसी के एक साल से तो किसी के संचालन का जाने के बावजूद संजय कम्युनिटी हाल के तालाब नहीं, संजय कम्युनिटी हाल और डीडीपुरम में बनी हालांकि अबर्न हाट, शूटिंग रेंज, जीआईसी ऑडिटोरियम करोड़ का स्काई वॉक बना सफेद हाथी- पटेल चौक 2024 में बनकर तैयार स्काई वॉक का संचालन अब रही हैं। पिछले साल इसके संचालन के लिए एक आया था। चौथी बार स्काई वॉक का टेंडर निकाला जा शहरवासियों के आसमानी सफर और अलग-अलग आलम यह है कि शहर में उर्स या अन्य कोई बड़ा स्काई वॉक के आसपास भोजन और नाश्ते के कई करते हैं। देर रात तक वहां शराबियों की महफिल भी

दो साल से अधिक समय से इंतजार है। बार-बार टेंडर निकाले और स्काई वॉक के लिए निजी फर्में रुचि नहीं ले रहीं हैं। यहीं मल्टीलेवल पार्किंग का लाभ भी लोगों को नहीं मिल पा रहा है। समेत कई परियोजनाएं टेंडर के बाद शुरू हो चुकी हैं। 11.34 पर स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत 11.18 करोड़ की लागत से वर्ष तक शुरू नहीं हो सका। इसकी स्वचालित सीढ़ियां धूल फांक कंपनी आगे आई भी तो अफसरों को उसका प्रजेंटेशन रास नहीं चुका है, लेकिन अब तक कंपनी फाइनल नहीं हुई है। नतीजा, प्रकार के व्यंजनों का स्वाद चखने का ख्वाब अब तक अधूरा है। कार्यक्रम होने पर भीड़ स्काई वॉक पर चढ़ जाती है। यही नहीं, ठेले लगते हैं। इसकी सीढ़ियों पर बैठकर लोग नाश्ता और भोजन सजती है, पर कार्रवाई नहीं होती। शहरवासियों के लिए बंद, चोरों के लिए खुला तालाब संजय कम्युनिटी हॉल में तैयार किया गया अमृत सरोवर नौ करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया गया, जिसमें पोर्टेबल शॉप, बोलार्ड लाइटें, स्केटिंग ट्रैक और सेल्फी प्वाइंट जैसी सुविधाएं बनाई गईं और पास में मल्टीलेवल पार्किंग भी तैयार कर दी गई। सात सितंबर 2022 को इसका लोकार्पण खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया, लेकिन तब से यह तालाब शहरवासियों के लिए बंद पड़ा है। सपनों का तालाब अब चोरों का अड्डा बन चुका है-अधिकतर बोलार्ड लाइटें चोरी हो चुकी हैं और शॉप व अन्य सुविधाओं का इस्तेमाल नहीं हो रहा। इसके लिए तीन बार पहले टेंडर निकल गए थे, लेकिन काम शुरू ही नहीं हो पाया। अब नगर निगम ने फिर से कवायद करते हुए चौथी बार टेंडर निकाला है। 7.59 करोड़ का लाइट एंड साउंड शो हटाया गया- स्मार्ट सिटी के नाम पर पैसा सचमुच पानी की तरह बर्बाद किया गया। बिना किसी योजना या जरूरत के, जिला जेल की दीवार के बाहर 7.59 करोड़ रुपये खर्च कर लाइट एंड साउंड शो बना दिया गया, जो अब तक काम ही नहीं कर सका। शुरुआती एक-दो महीने में लोग देखने आए, लेकिन जल्द ही निराश होकर मुंह फेर लिया। अब यह शो पूरी तरह बंद पड़ा है। जब जेल का पुनर्निर्माण शुरू हुआ, तो अधिकारियों ने इसे हटाने का आदेश दिया और शो को ज्यों का त्यों हटा दिया गया। नौकरशाही और गैर-जिम्मेदारी की यह स्पष्ट मिसाल है। जनता के लिए कोई फायदा नहीं, सिर्फ खोखले दावे और बर्बाद हुआ पैसा ही दिख रहा है। गांधी उद्यान का लाखों का फाउंटेन बना दिखावा- गांधी उद्यान में पीछे 79 लाख रुपये की लागत से बनाया गया म्यूजिकल फाउंटेन अब पूरी तरह बंद हो गया है। कुछ समय पहले यह फाउंटेन थोड़े दिन चलता और फिर बंद हो जाता था, लेकिन पिछले कुछ समय से यह बिल्कुल काम नहीं कर रहा है। रविवार दोपहर वहां मौजूद कुछ युवाओं ने इसकी उपयोगिता पर सवाल उठाए और पूछा कि लाखों रुपये खर्च कर बनाए गए इस फाउंटेन का आम जनता को क्या फायदा हुआ। नगर निगम की ओर से भी अब तक इसकी मरम्मत या संचालन के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठा पाए हैं। जनता के लिए यह परियोजना महज दिखावा बनकर रह गई है। नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य ने बताया कि स्मार्ट सिटी की सभी परियोजनाओं के संचालन के प्रयास किए जा रहे हैं। स्काई वॉक और संजय कम्युनिटी हॉल परिसर में स्थित अमृत सरोवर के लिए अभी तक कोई फर्म सामने नहीं आई है। चौथी बार दोनों परियोजनाओं का टेंडर निकाला जा चुका है। कई बड़ी परियोजनाएं मल्टी लेवल पार्किंग, आई ट्रिपल सी और अर्बन हाट का संचालन हो चुका है।

वाहन की टक्कर से किसान की मौत, परिवार में मचा कोहराम

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। थाना फरीदपुर क्षेत्र के गांव देवरनिया निवासी 35 वर्षीय किसान रीतराम पुत्र शिव सहाय की सड़क हादसे में मौत हो गई। रविवार रात में गेहूं की फसल की रखवाली करने गया था सोमवार लौटते समय अज्ञात वाहन ने घायल रीतराम को परिजन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर रीतराम रविवार रात करीब 10 के लिए खेत पर गए थे। क्षेत्र अधिक होने के कारण किसानों है। रातभर फसल की रखवाली 4 बजे पैदल घर चाय पीने के

की सुबह लगभग 4 बजे घर उन्हें टक्कर मार दी। गंभीर रूप से जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां दिया। परिजनों के अनुसार, बजे गेहूं की फसल की रखवाली में जंगली जानवरों का आतंक को रात में खेतों पर रुकना पड़ता करने के बाद सोमवार तड़के करीब लिए लौट रहे थे। इसी दौरान सड़क पर अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। पास के ही खेत में फसल की रखवाली कर रहे उनके भाई प्रेमपाल ने हादसा देखा और तत्काल मौके पर पहुंचे। उन्होंने परिजनों को सूचना दी, जिसके बाद घायल रीतराम को जिला अस्पताल ले जाया गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। मौत की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। रीतराम अपने पीछे पत्नी राजो और पांच बच्चों को छोड़ गए हैं, जिनमें दो बेटे और तीन बेटियां शामिल हैं। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच की जा रही है।

कैंसर से बचाव और समय पर पहचान से बचाई जा सकती हैं अनगिनत जिंदगियां

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली – कैंसर आज के समय की सबसे बड़ी स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक है, लेकिन अगर इसकी पहचान शुरुआती चरण में हो जाए, तो यह उन बीमारियों में शामिल है जिनका इलाज संभव है और जिनसे बचाव भी किया जा सकता है। मेडिकल साइंस में हो रही प्रगति के साथ-साथ, जागरूकता आज भी कैंसर के सामाजिक बोझ को कम करने का सबसे मजबूत माध्यम है। कैंसर कोई एक बीमारी नहीं है, बल्कि बीमारियों का एक समूह है, जिसमें शरीर की कुछ कोशिकाएं अनियंत्रित के दूसरे हिस्सों तक फैल जेंडर या लाइफस्टाइल के कई तरह के कैंसर में कुछ जिन्हें बदला या नियंत्रित किया स्पेशलिटी हॉस्पिटल, नोएडा विभाग की सीनियर डायरेक्टर कौर ने बताया किसी भी रूप

रूप से बढ़ने लगती हैं और शरीर सकती हैं। यह किसी भी उम्र, व्यक्ति को हो सकता है, लेकिन समान रिस्क फैक्टर्स होते हैं, जा सकता है। मैक्स सुपर के ब्रेस्ट सर्जिकल ऑन्कोलॉजी एवं यूनिट हेड डॉ. (प्रो.) नवनीत में तंबाकू से दूर रहना, शराब का सीमित सेवन, फल-सब्जियों से भरपूर पौष्टिक डाइट लेना, नियमित रूप से शारीरिक गतिविधि करना और त्वचा को ज्यादा धूप से बचाना-ये सभी उपाय लंबे समय से हेल्थ प्रिवेंशन के लिए प्रभावी माने गए हैं। HPV और हेपेटाइटिस-क्क जैसे वैक्सीनेशन भी कुछ खास प्रकार के कैंसर के रिस्क को काफी हद तक कम करते हैं। शुरुआती स्टेज में पहचाने गए कैंसर का इलाज बाद के स्टेज की तुलना में कहीं ज्यादा सफल होता है। मैमोग्राम, पैप स्मीयर, कोलोनोस्कोपी और हाई-रिस्क ग्रुप्स के लिए लो-डोज ष्टञ्ज स्कैन जैसी नियमित स्क्रीनिंग हर साल अनगिनत जिंदगियां बचाती हैं। शरीर के संकेतों को नजरअंदाज न करना और बिना वजह वजन कम होना, लगातार खांसी, असामान्य गांठ, या बिना कारण ब्लीडिंग जैसे लक्षणों पर समय रहते डॉक्टर से सलाह लेना बहुत जरूरी है। डॉ. (प्रो.) नवनीत ने आगे बताया जागरूकता का एक अहम हिस्सा मिथकों और गलत धारणाओं को दूर करना भी है। कैंसर न तो मौत का फैसला है और न ही यह संक्रामक होता है। सर्जरी, रेडियोथेरेपी, कीमोथेरेपी, टार्गेटेड थेरेपी और इम्यूनोथेरेपी में हुई प्रगति की बदौलत आज कई लोग इलाज के बाद लंबा और संतोषजनक जीवन जी रहे हैं। इस लड़ाई में हर व्यक्ति की भूमिका है। सही जानकारी रखना, नियमित हेल्थ चेक-अप कराना, अपने प्रियजनों को उनके इलाज के दौरान सहयोग देना और समाज में सही जानकारी फैलाना-इन सबके जरिए हम कैंसर के प्रभाव को कम कर सकते हैं। कैंसर जागरूकता एक साझा जिम्मेदारी है। यह लड़ाई जानकारी से शुरू होती है, बचाव के जरिए आगे बढ़ती है और समय पर इलाज से सफल होती है। खुद को, अपने परिवार को और अपने समुदाय को सुरक्षित रखने के लिए सतर्क रहें, जागरूक रहें और शुरुआती संकेतों को कभी नजरअंदाज न करें।

थाना डिलारी में SPEL कार्यक्रम के तीसरे दिन, छात्र-छात्राओं दी गई अभिलेखों की जानकारी

क्यूँ न लिखूँ सच/ डिलारी।थाना डिलारी में आयोजित SPEL

कार्यक्रम के तीसरे दिन छात्र-छात्राओं को पुलिस थाने में रखे जाने वाले कार्यालय अभिलेखों (ऑफिस रिकॉर्ड) के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने बताया कि थाने में कौन-कौन से रजिस्टर और अभिलेख रखे जाते हैं तथा उनका उपयोग किस प्रकार किया जाता है। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं को एफआईआर रजिस्टर, जनरल डायरी, मालखाना रजिस्टर, शिकायत रजिस्टर सहित अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेजों के बारे में अवगत कराया गया। अधिकारियों ने यह भी समझाया कि इन अभिलेखों के माध्यम से पुलिस कार्यप्रणाली को पारदर्शी और सुव्यवस्थित बनाया जाता है।पुलिस अधिकारियों ने छात्रों को बताया कि कार्यालय अभिलेख कानून-व्यवस्था बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं और किसी भी मामले की जांच में इनका विशेष महत्व होता है। छात्र-छात्राओं ने इस जानकारी को रुचि के साथ सुना और सवाल भी पूछे। स्क्कश्वरु कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को पुलिस की कार्यशैली, कर्तव्यों और जिम्मेदारियों से परिचित कराना है, ताकि उनमें कानून के प्रति जागरूकता और विश्वास बढ़ सके। कार्यक्रम के तीसरे दिन की गतिविधियों से छात्र-छात्राओं में खासा उत्साह देखने को मिला।

30 दिन में घरों में जलापूर्ति शुरू न करने वाली कंपनियों पर कराएं एफआईआर, जलशक्ति मंत्री ने दिया अल्टीमेटम

भाजपा विधायक से विवाद के बाद जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने विन्ध्य, बुंदेलखंड के जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा की और इस दौरान कंपनियों को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि सिर्फ 4-5 परियोजनाओं के ही काम पूरे नहीं हुए हैं।जल जीवन मिशन के तहत %हर घर नल% योजना के क्रियान्वयन को लेकर उठ रहे सवालों और अपने ही दल के विधायक से विवाद के बाद जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने संबंधित अधिकारियों और कार्यदायी संस्थाओं पर सख्ती दिखाया। चरखारी विधायक ब्रजभूषण राजपूत द्वारा खुलेआम सड़क पर घेराव किए जाने के बाद बुलाई गई बैठक में मंत्री ने बुंदेलखंड और विन्ध्य क्षेत्र के शत-प्रतिशत घरों में 30 दिन में जलापूर्ति शुरू करने का अल्टीमेटम दिया है। उन्होंने तय समय सीमा में जलापूर्ति शुरू न करने वाली कंपनियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के भी निर्देश दिए हैं।विधायक से विवाद के बाद जलशक्ति मंत्री पहली बार सोमवार को जल निगम (ग्रामीण) के सभागार में विन्ध्य, बुंदेलखंड के जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। दोनों क्षेत्रों में धीमी गति से कार्य कर रही बीजीसीसी और एलएंडटी पर नाराजगी जताते हुए मंत्री ने कहा कि तय समय में काम पूरा नहीं हुआ, तो कंपनी के मालिकानों के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज कराकर जेल भेजा जाएगा। भविष्य में कोई और

विधायक योजना के क्रियान्वयन पर सवाल न उठाए, इसलिए मंत्री ने योजना के क्रियान्वयन से संबंधित अधिशासी अभियंताओं को योजना के तहत हो रहे कार्यों की हर जानकारी क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों को अनिवार्य रूप से देने के भी निर्देश दिए हैं। ग्रामीणों से भी संवाद करके उनकी समस्याओं का समाधान कराने के भी निर्देश दिए गए हैं।जलशक्ति मंत्री ने कहा कि शत-प्रतिशत जलापूर्ति से अच्छादित होने के बाद उन सभी गांवों में 8 से 22 मार्च तक जल उत्सव मनाया जाएगा। राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन ने प्रदेश के करीब 22,000 गांवों में जल उत्सव मनाने की तैयारी भी शुरू कर दी है। बैठक के दौरान अपर मुख्य सचिव नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति अनुराग श्रीवास्तव, जल निगम ग्रामीण के एमडी डॉ राजशेखर, राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अधिशासी निदेशक प्रभाष कुमार मौजूद थे। सिर्फ 4-5 परियोजनाओं के काम ही पूरे नहीं हुए- समीक्षा के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

प्लास्टिक कचरे से बनेंगी 23 सड़कें, टिकाऊ के साथ होंगी ईको फ्रेंडली

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। नगर निगम शहर की 23 सड़कों को प्लास्टिक कचरे से बनवाने जा रहा है। निर्माण कार्य पर करीब 31 करोड़ खर्च होंगे। इसके लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू हो गई है। नगर निगम का दावा है कि यह सड़कें न सिर्फ डामर-गिट्टी से बनने

वाली सड़कों की तुलना में ज्यादा टिकाऊ होंगी, बल्कि शहर में प्लास्टिक कचरे की समस्या भी कम होगी। इसीलिए इन सड़कों को इको फ्रेंडली कहा जा रहा है। शहर के चारों जोन में सड़कों के निर्माण की सूची तैयार की गई है। योजना के तहत बरेली के 24 वार्डों में इन सड़कों का निर्माण कराया जाएगा। इस प्रोजेक्ट को नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम के तहत पूरा किया जाएगा। डामर के साथ प्लास्टिक मिश्रित होने से इन सड़कों की उम्र भी अधिक होगी। एक्सईएन राजीव कुमार राठी ने बताया कि यह प्रयोग सफल रहा तो भविष्य में और ज्यादा सड़कों का निर्माण इसी तकनीकी से कराया जाएगा। यह पहल स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर की दिशा में एक अहम कदम है।

मुठभेड़ में गोली लगने से दो बदमाश घायल, लूट और चोरी के मामलों में थे वांछित

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा /बरेली। भमोरा थाना क्षेत्र में पुलिस ने रविवार की रात मुठभेड़ के दौरान दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया। दोनों के पैर में गोली लगी है। घायल बदमाशों को उपचार के लिए जिला अस्पताल

भेजा गया। थाना पुलिस के मुताबिक पकड़े गए आरोपियों से चोरी की दो बाइक, लूटे गए मोबाइल फोन और असलहा बरामद हुए हैं। दोनों आरोपी चोरी और लूट के मामलों में वांछित थे। सीओ आंवला नितिन कुमार ने बताया कि थाना भमोरा पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि इलाके में हुई बाइक चोरी की घटनाओं से संबंधित दो संदिग्ध रम्पुरा बुजुर्ग अंडरपास के पास मौजूद हैं। उक्त सूचना पर पुलिस टीम ने रात में ही बताए गए स्थान पर जाकर घेराबंदी की। पुलिस को देखकर आरोपियों ने फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दोनों अभियुक्त पैर में गोली लगने से घायल हो गए, जिन्हें मौके से गिरफ्तार कर लिया गया।

रोडवेज बस चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / मीरगंज, बरेली । रोडवेज बस की टक्कर से बाइक सवार की मौत पर भाई ने चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। मीरगंज के गांव गूला निवासी संजू कुमार पुत्र नत्थू लाल ने फतेहगंज पश्चिमी थाने में दर्ज कराए मुकदमा में कहा है उनका भाई गत पांच फरवरी को गांव के ब्रजकिशोर के साथ बाइक से बरेली जा रहे थे। राधा कृष्ण मंदिर के सामने उनके भाई ने अजयपाल को रोड किनारे खड़ा देखकर अपनी बाइक धीमी की। उसी समय रुहेलखंड डिपो की रोडवेज बस के चालक ने तीनों को टक्कर मार दी। जिससे तीनों घायल हो गए। खिरका सीएचसी में चिकित्सक ने उनके भाई भगवानदास को मृत घोषित कर दिया।

कॉपी में "PA" लिखने पर छात्र को थप्पड़ मारने का आरोप, परिजनों ने थाने में दी तहरीर

क्यूँ न लिखूँ सच/ भुता (बरेली)। थाना भुता क्षेत्र के ग्राम फैजनगर निवासी मलखान पुत्र धन्नेलाल ने सरकारी स्कूल के शिक्षक पर अपने बेटे के साथ मारपीट करने का आरोप है। पीड़ित पिता का कहना है कि उनका बेटा का छात्र है। प्रार्थी के अनुसार दिनांक 04 फरवरी में पढ़ाई के दौरान प्रशांत ने अपनी कॉपी में विद्यालय के शिक्षक रामनिवास ने प्रशांत के थप्पड़ लगने के बाद छात्र के कान में दर्द होने उन्हें इस घटना की जानकारी हुई तो अगले दिन और शिकायत की। इस पर विद्यालय से दिन से छुट्टी पर हैं। घटना के बाद छात्र प्रशांत

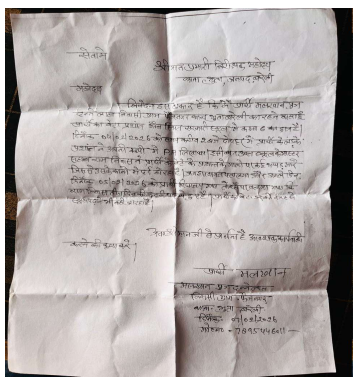

लगाते हुए थाना प्रभारी भुता को तहरीर दी प्रशांत गांव स्थित सरकारी स्कूल में कक्षा 6 2026 को दोपहर करीब 2:00 बजे विद्यालय "PA" लिख दिया था। इसी बात को लेकर गाल पर कई थप्पड़ मार दिये आरोप है कि लगा। पीड़ित मलखान ने बताया कि जब 05 फरवरी 2026 को वह विद्यालय पहुंचे जानकारी मिली कि शिक्षक रामनिवास तीन डर के कारण स्कूल नहीं जा रहा है।

सामूहिक विवाह योजना में घोटाले पर गाज, छह ग्राम सचिव निलंबित, शासन तक पहुंची थी घोटाले की गूंज

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में हुए घोटाले की जांच में बड़ा खुलासा होने के बाद प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। जांच में 35 शादीशुदा जोड़ों की दोबारा शादी कराने और अपात्रों को पात्र दिखाने की पुष्टि हुई। डीएम को सौंपी गई जांच रिपोर्ट ग्राम सचिव निलंबित किए गए हैं। एडीओ संस्तुति शासन से की गई है।मुख्यमंत्री पर जिम्मेदारों की गर्दन फंसने की नौबत कार्रवाई का दौर शुरू हो गया। ओर से प्रकाशित किए जाने के बाद प्रशासन ने अब मिलते ही डीएम ने मूंढापांडे ब्लॉक के छह है।जबकि एडीओ समाज कल्याण के निलंबन वहीं बीडीओ मूंढापांडे का वेतन रोकते हुए के निर्देश दिए गए हैं। घोटाले में कदम-चौंकाने वाली बात यह सामने आई थी कि करा दी थी।इन अपात्रों को पात्र बताते हुए चार दिसंबर को बुद्धि विहार के मैदान में स्थान पर मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना थे। इसके अलावा जिले में कुछ अन्य स्थानों हुए इन आयोजनों में घपले-घोटाले और की जांच शुरू हुई। डीएम अनुज सिंह ने जांच कराने के आदेश दिए। सीडीओ ने टीम गठित कर जांच की जिम्मेदारी सौंपी।

के आधार पर मूंढापांडे ब्लॉक के छह समाज कल्याण के निलंबन की सामूहिक विवाह योजना में घोटाले आई तो आनन-फानन जांच के साथ लगातार इस शादी घोटाले की खबरें बड़ी कार्रवाई की है। जांच रिपोर्ट ग्राम सचिवों को निलंबित कर दिया की संस्तुति शासन से की गई है। उनके खिलाफ भी विभागीय कार्रवाई कदम पर हुई मनमानी में सबसे ज्यादा 35 शादीशुदा जोड़ों की दोबारा शादी सत्यापन रिपोर्ट भी दी थी। जिले में और पांच दिसंबर को एक अन्य के तहत समारोह आयोजित किए गए पर भी समारोह हुए थे। सरकारी स्तर मनमानी के आरोप गर्माए तो मामले सीडीओ मृणाली अविनाश जोशी को डीडीओ जीबी पाठक के नेतृत्व में

जिले के 30 अधिकारियों की टीम ने बिलारी और कुंदरकी ब्लॉक की 808 शादियों का सत्यापन किया। इस दौरान कई गड़बड़ियां सामने आईं। जांच पूरी होने से पहले ही सीडीओ के निर्देश पर मूंढापांडे क्षेत्र के दो एडीओ को हटा दिया गया। इसके पीछे जांच प्रभावित न कर पाने की सोच थी। अब डीडीओ ने अपनी जांच रिपोर्ट डीएम को सौंप दी है। जांच में पाया गया कि इन समारोहों में न सिर्फ 35 शादीशुदा जोड़ों की दोबारा शादी करा दी गई बल्कि एक एडीओ समाज कल्याण समेत सात अधिकारियों व कर्मचारियों ने इन्हें पात्र बताते हुए सत्यापन रिपोर्ट भी पेश कर दी। कागजी लक्ष्य के नाम पर इस तरह की शादियां कराने के सर्वाधिक मामले मूंढापांडे क्षेत्र के हैं। डीएम अनुज सिंह ने डीडीओ स्तर की जांच रिपोर्ट के आधार पर मूंढापांडे के ग्राम सचिव घनेंद्र सिंह, मोहन सिंह रावत, इंतजार हुसैन, रवि कुमार, सादाब वली और रजत को निलंबित करने के निर्देश दिए है। इसके अलावा एडीओ समाज कल्याण प्रशांत कुमार को निलंबित कर मुख्यालय से संबद्ध करने की संस्तुति की गई है। साथ बीडीओ मूंढापांडे अशोक कुमार का वेतन रोककर विभागीय कार्रवाई करने के आदेश दिए गए हैं। डीएम का कहना है कि सचिवों का निलंबन सीडीओ स्तर से होता है। एडीओ समाज कल्याण का निलंबन शासन से होगा। इस मामले में शासन को भी रिपोर्ट भेजी जाएगी। शासन तक पहुंची थी घोटाले की गूंज मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में मनमानी और घोटाले की चर्चा शुरू होने के साथ ही यह मामला अमर उजाला की सुर्खियां बन गया। इससे जुड़ी कई खबरें मंत्रियों और शासन तक भी पहुंचीं। कुंदरकी विधायक रामवीर सिंह ने आयोजनों पर अंगुली उठाते हुए जिले के प्रभारी मंत्री अनिल कुमार से इस मामले में उच्चस्तरीय जांच की मांग की। वहीं, समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण के निर्देश पर शासन की टीम भी इस मामले की जांच कर रही है। शासन की टीम 12 फरवरी को अपनी रिपोर्ट समाज कल्याण विभाग के आला अफसरों व मंत्री को सौंपेगी।

कृपाण मामला: दो शिक्षकों सहित तीन को परीक्षा कार्यों से हटाया, विवि की तीन सदस्यीय समिति कर रही जांच

डीएसएम डिग्री कॉलेज में बीए प्रथम वर्ष के सिख छात्र को कृपाण के साथ परीक्षा में बैठने से रोकने के मामले में कॉलेज प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए दो शिक्षकों और एक कर्मचारी को सेमेस्टर परीक्षा कार्यों से हटा दिया है। प्राचार्य ने सिख समाज पर खेद जताया है। मुरादाबाद के डीएसएम के सिख छात्र से दुर्व्यवहार और कृपाण मामले सहित तीन को परीक्षा कार्यों से हटा दिया है। गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय की कॉलेज में चल परीक्षा में ऋषिबाल महाविद्यालय कांठ के के शिक्षक डॉ. सौरव सिंघल, डॉ. शिवराम द्वारा 27 जनवरी को सिख समाज के धार्मिक जाने से रोका गया। प्राचार्य प्रो. सोमपाल समाज की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। प्रबंध तंत्र को बहुत ही कष्ट है। इसलिए तीनों से इस सेमेस्टर के परीक्षा कार्यों से हटा दिया के अन्य शिक्षकों और कर्मचारियों को भी आगामी परीक्षाओं में प्रकरण से संबंधित के आदेश का पालन किया जाएगा। उन्होंने धार्मिक भावनाओं का सम्मान करते हुए तंत्र खेद व्यक्त करता है। साथ ही सिख समाज में ऐसी पुनरावृत्ति नहीं होगी। दिल्ली सिख

की धार्मिक भावनाएं आहत होने डिग्री कॉलेज में बीए प्रथम वर्ष में कॉलेज प्रशासन ने दो शिक्षकों साथ ही खेद भी व्यक्त किया है। रही बीए प्रथम वर्ष की सेमेस्टर छात्र जपन सिंह को महाविद्यालय सिंह एवं कर्मचारी हरिओम सिंह प्रतीक कृपाण के साथ परीक्षा में सिंह ने बताया कि इससे सिख इसका महाविद्यालय प्राचार्य और कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव गया है। साथ ही महाविद्यालय निर्देशित किया जाता है कि विश्वविद्यालय द्वारा पांच फरवरी कहा कि सिख समाज की महाविद्यालय प्राचार्य एवं प्रबंध को आश्वासन दिया कि भविष्य समिति के पदाधिकारी कुलपति

से मिलेंगे कुलपति प्रो. सचिन माहेश्वरी ने बताया कि सोमवार को दिल्ली सिख समिति के पदाधिकारी उनसे मुलाकात करेंगे। वह इस संबंध में वार्ता करना चाहते हैं। विश्वविद्यालय स्तर से तीन सदस्यीय समिति मामले की जांच कर रही है। उनकी रिपोर्ट मिलने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। रिकॉर्डिंग की समस्या की शिकायत पहले ही मिल गई थी। इस पर 17 जनवरी को कॉलेज प्रशासन को सुनवाई के लिए बुलाया भी था और रिकॉर्डिंग के संबंध में चेतावनी दी थी। यह है मामला- मोहल्ला विशनपुरा निवासी सरदार जपन सिंह डीएसएम डिग्री कॉलेज में बीए प्रथम वर्ष का छात्र और अमृतधारी सिख है। वह चार फरवरी को कृपाण धारण किए कॉलेज में हिंदी की परीक्षा देने पहुंचा था। आरोप है कि जहां उसे कृपाण के साथ परीक्षा केंद्र में घुसने नहीं दिया गया था, जिससे उसकी परीक्षा भी छूट गई थी। आरोप है कि इससे पहले भी 27 जनवरी को उसे कृपाण उतरवाकर पहला पेपर दिलवाया गया था। चार फरवरी से यह मामला सुर्खियों में है। सिखों ने अधिकारियों को प्रार्थना-पत्र देकर कार्रवाई की मांग भी की थी।

सार्वजनिक मंच से जातिगत टिप्पणी करने में फंसे मिलक सीओ, सांसद चंद्रशेखर ने जताया विरोध, जांच के आदेश

रामपुर के सीओ मिलक का जातिगत टिप्पणी वाला वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला तूल पकड़ गया है। नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद के वीडियो साझा करने के बाद एसपी ने प्रकरण की जांच एएसपी को सौंप दी है। सीओ मिलक राजवीर सिंह परिहार का एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। वीडियो में वह जातिगत टिप्पणी करते हुए सुनाई दे रहे हैं। नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद ने अपने एक्स हैंडल से इस वीडियो को शेयर कर टिप्पणी की है। उन्होंने इसे सीएम ऑफिस और डीजीपी को टैग किया है एसपी विद्यासागर मिश्र ने इस मामले की जांच एएसपी को सौंप दी है। एसपी विद्यासागर मिश्र ने बताया कि स्मार्ट इंडियन पब्लिक स्कूल में 29 दिसंबर 2025 को फुटबॉल का मैच था। इस स्कूल में सीओ राजवीर सिंह परिहार मुख्य अतिथि थे। इस दौरान उन्होंने जातिगत टिप्पणी की थी। इसका वीडियो नगीना के सांसद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया है। इस मामले की जांच एएसपी अनुराग सिंह को सौंप दी गई है। मुख्यालय को अवगत करा दिया गया है। जांच रिपोर्ट मिलते ही मुख्यालय को भेज दिया जाएगा। सीओ राजवीर सिंह ने बताया कि वीडियो को एडिट करके गलत तरीके से प्रसारित किया गया है। लगाए गए आरोप निराधार हैं। यह बयान दिया था सीओ ने वीडियो में सीओ मिलक राजवीर सिंह बच्चों को संबोधित करते हुए एक कहावत का उदाहरण देते हुए कहते हैं कि पहिल हाथ सरदारों का बाकी चोर... का। मतलब जो पहले गोल मार लिया वही सरदार है। सांसद चंद्रशेखर ने की यह टिप्पणी- उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले की मिलक तहसील में पुलिस विभाग के सीओ राजवीर सिंह परिहार द्वारा एक स्कूल के मंच से जातिसूचक और अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल करना सिर्फ असंवेदनशीलता नहीं, बल्कि खुला जातिवादी अपराध है। एक इतने जिम्मेदार पद पर बैठा पुलिस अधिकारी अगर चोर से एक जाति से जोड़कर पूरे समाज को सार्वजनिक रूप से अपमानित करता है, तो यह साबित करता है कि जातिवाद आज भी जिंदा है। स्कूल का मंच बच्चों को संविधान, समानता और भाईचारे का पाठ पढ़ाने के लिए होता है, न कि जातिवादी सोच, घृणा और जाति के अपमान के लिए। यह बयान न केवल संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 17 का उल्लंघन है बल्कि एससी-एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत दंडनीय अपराध भी है। हम यूपी सरकार से मांग करते हैं- सीओ परिहार को तत्काल पद से हटाया जाए, उनके खिलाफ विभागीय जांच नहीं, कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए, और सरकार स्पष्ट करे कि जातिवाद पर उसकी नीति जीरो टॉलरेंस है या सिर्फ नारा। यह सिर्फ एक जाति का अपमान नहीं है- यह संविधान, सामाजिक न्याय और बहुजन सम्मान पर हमला है। सीओ के बयान से बहुजन समाज में आक्रोश- सीओ के बयान पर राजनीति शुरू हो गई है। बहुजन जनता दल खोड़ावाल ने बयान पर तीखी टिप्पणी कर सीओ के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। राष्ट्रीय अध्यक्ष अतुल खोड़ावाल ने जारी बयान में आरोप लगाया कि सीओ परिहार ने सार्वजनिक रूप से समूचे बहुजन समाज को चोर की संज्ञा दी, जो एक अक्षम्य अपराध है। उन्होंने कहा कि यह कृत्य साबित करता है कि कुछ अधिकारियों के दिमाग में आज भी मनुवादी और जातिवादी जहर भरा हुआ है। कहा कि पुलिस का काम समाज की रक्षा करना है, न कि अपनी सत्ता की हनक में किसी विशेष समाज की भावनाओं को कुचलना। सीओ परिहार ने पुलिस की गरिमा को मिट्टी में मिला दिया है और संविधान के अनुच्छेद 17 को ठेंगा दिखाते हुए सरेआम जातिसूचक गाली दी है। यह सीधे तौर पर एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम का उल्लंघन है। उन्होंने सीओ पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। ऐसा न करने पर आंदोलन की चेतावनी भी दी है।

संक्षिप्त समाचार

संघ प्रमुख मोहन भागवत और अदनान सामी की मुलाकात से सियासी घमासान, कांग्रेस ने RSS की देशभक्ति पर उठाए सवाल

महाराष्ट्र कांग्रेस ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के अदनान सामी के साथ खाना खाने पर आपत्ति जताई है। कांग्रेस ने इसे देश-विरोधी बताते हुए कहा कि सामी के पिता ने 1965 युद्ध में

भारत पर हमला किया था। वहीं, अदनान सामी ने भागवत की तारीफ करते हुए उन्हें एक बेहतरीन इंसान बताया है।महाराष्ट्र कांग्रेस ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत पर निशाना साधा है। कांग्रेस ने भागवत के गायक अदनान सामी के साथ खाना खाने को देश-विरोधी कदम बताया है। वहीं दूसरी तरफ मोहन भागवत से मुलाकात के बाद अदनान सामी ने उनकी जमकर तारीफ की।कांग्रेस ने लगाए आरोप

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कांग्रेस ने गंभीर आरोप लगाए। कांग्रेस ने कहा, अदनान सामी के पिता अरशद सामी खान पाकिस्तान वायुसेना में पायलट थे। उन्होंने 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में हिस्सा लिया था और पठानकोट एयरबेस पर हमला किया था।कांग्रेस ने कहा, मोहन भागवत आज उन्हीं के बेटे के साथ खाना खा रहे हैं। पार्टी ने इसे आरएसएस का देश-विरोधी बताया। यह मुलाकात मुंबई में आरएसएस के शताब्दी समारोह के दौरान हुई। अदनान सामी उन हस्तियों में शामिल थे, जिन्हें इस दो दिवसीय कार्यक्रम में बुलाया गया था।अदनान सामी ने आरएसएस प्रमुख की तारीफ की दूसरी तरफ, पद्म श्री विजेता अदनान सामी ने रविवार को मोहन भागवत के साथ अपनी तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने आरएसएस प्रमुख की जमकर तारीफ की। सामी ने लिखा कि भागवत के साथ दोपहर बिताना उनके लिए बहुत अच्छा अनुभव रहा। उन्होंने कहा कि भागवत को सुनने के बाद उनके मन की कई गलतफहमियां और भ्रम दूर हो गए। सामी ने मोहन भागवत को एक बहुत ही नेक और शानदार इंसान बताया। कांग्रेस ने आरएसएस की देशभक्ति पर उठाए सावाल- कांग्रेस ने इस पूरी घटना को लेकर आरएसएस की देशभक्ति पर सवाल खड़े किए हैं। पार्टी का कहना है कि एक तरफ आरएसएस राष्ट्रवाद की बात करता है और दूसरी तरफ ऐसे लोगों से मेल-जोल बढ़ा रहा है जिनके परिवार का इतिहास भारत विरोधी रहा है।

संसद में गतिरोध बरकरार, राहुल गांधी ने स्पीकर से पूछा- क्या मुझे बोलने दिया जाएगा? मिला ऐसा जवाब

सोमवार को विधानमंडल में यूपी सरकार का आर्थिक सर्वेक्षण और आर्थिक समीक्षा पेश की गई। इसमें सरकार का लेखा-जोखा देखने को मिला।विधानसभा में रखी गई आर्थिक समीक्षा में बताया गया है कि प्रदेश में पर्यटन व संस्कृति विभाग पर्यटन स्थलों का संरक्षण, संवर्धन और विकास कर पर्यटन गतिविधियों को नया आयाम दे रहा है। 2025 में 156.18 करोड़ पर्यटकों के आगमन के साथ यूपी पर्यटकों की संख्या के मामले में देश में शीर्ष पर पहुंचा है। इसमें पर्यटन नीति-2022 का क्रियान्वयन और प्रयागराज में हुए महाकुंभ का विशेष योगदान रहा है।इसके साथ ही 2025 में 12 थीमैटिक सेक्टर और 12 पर्यटन सर्किट विकास के लिए 1546 प्रस्तावों के लिए 34,439 करोड़ का निवेश मिला है। ईको टूरिज्म के विकास के लिए 2025 में 49 परियोजनाओं की शुरूआत हुई और समावेशी विकास के लिए पर्यटन पर आधारित नीतियों का संचालन किया जा रहा है। यह प्रदेश के सांस्कृतिक पर्यटन हब के रूप में विकसित होने का संकेत है।यूपी पर्यटकों की संख्या के मामले में 2.4 गुना की वृद्धि के साथ 2025 में देश में पहले स्थान पर पहुंच गया है। 2024 में जहां कुल 64.91 करोड़ पर्यटक आए थे, वहीं 140.6त्न की अप्रत्याशित वृद्धि के साथ 2025 में देश में सर्वाधिक 156.18 करोड़ पर्यटकों का यूपी आना हुआ। इसमें महाकुंभ में आए 66.30 करोड़ श्रद्धालु व पर्यटक भी शामिल हैं। यूपी घरेलू पर्यटकों में 2022 से ही शीर्ष पर है। विदेशी पर्यटकों में भी वृद्धि के साथ यूपी 2023 में 5वें से 2024 में चौथे स्थान पर पहुंच गया है। प्रदेश में ईको टूरिज्म के तहत 49 परियोजनाओं की शुरुआत हुई, जो जैव-विविधता संरक्षण के साथ होमस्टे और हस्तशिल्प से स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा दे रही हैं। पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए 12 विशेष पर्यटन सर्किट विकसित किए जा रहे हैं। ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 85 होमस्टे और 155 टूर ऑपरेटर्स पंजीकृत किए गए हैं। यूपी तेजी से सांस्कृतिक पर्यटन हब के रूप में उभर रहा है। यहां अयोध्या, वाराणसी, मथुरा, प्रयागराज जैसे धार्मिक पर्यटन स्थल वैश्विक आकर्षण का केंद्र बन चुके हैं।वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि प्रदेश सरकार ने कानून-व्यवस्था को बेहतर करने के लिए संगठित अपराध पर नकेल कसी है। माफिया के नेटवर्क को ध्वस्त किया। इससे आपराधिक घटनाओं में कमी आई। जनता और निवेशकों का विश्वास भी बढ़ा है। खन्ना सोमवार को आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट- 2025-26 विधानसभा पटल पर रखते हुए बोल रहे थे।

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच OWN STATE
www.knlslive.com
10 February 2026

62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का सफल आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच/प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा में अमरेंद्र कुमार वरुण, कमांडेंट 62 वीं वाहिनी के कुशल दिशा-निर्देशन में वाहिनी चिकित्सालय परिसर में एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का सफल एवं सराहनीय आयोजन जिला अस्पताल, श्रावस्ती के ब्लड बैंक के सहयोग से किया गया, जिसमें जिला अस्पताल से पधारे डॉ. वी.एन. वर्मा तथा 62वीं वाहिनी की चिकित्सक डॉ. कल्पना महादेव पाटिल (ACMO) एवं उनकी चिकित्सकीय टीम की सतत निगरानी में रक्तदान की प्रक्रिया संपन्न कराई गई। रक्तदान शिविर में वाहिनी के अधिकारीगण, अधीनस्थ अधिकारी एवं जवानों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता करते हुए कुल 14 यूनिट रक्तदान किया। इस अवसर पर जवानों में मानव सेवा, सामाजिक दायित्व एवं परोपकार की भावना स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई। कार्यक्रम के दौरान उप कमांडेंट सोनू कुमार, गोबर्धन पुजारी सहित वाहिनी के अन्य कार्मिक उपस्थित रहे। सोनू कुमार, उप कमांडेंट ने भी रक्तदान कर जवानो को प्रेरित किया। इसके अतिरिक्त अधिकारियों द्वारा रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए इस प्रकार के आयोजनों को समाज के लिए अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणास्रोत बताया गया। 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल द्वारा भविष्य में भी जनकल्याणकारी, मानवीय एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रमों के आयोजन हेतु अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की गई।

सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे को लेकर राजस्व प्रशासन के लेखपाल की बातों का किया अनदेखा

क्यूँ न लिखूँ सच/अरविन्द कुमार यादव / श्रावस्ती विकासखंड. हरिहरपुर रानी ग्राम सभा भंगही के मजरा कुरसाहा में दबंग कोमल प्रसाद यादव पुत्र रामसागर राम सागर पुत्र प्यारेलाल ने राजस्व गाटा सख्या 643 व 639 पर लगातार प्रशासन की 112के मना करने के बावजूद भी कब्जा करने का प्रयास करता रहा भंगहा चौकी प्रभारी जवेंद्र सिंह उत्तम के जानकारी में प्रकरण आने पर दोनों पक्षों को बिठाकर राजस्व अधिकारियों के निर्देशानुसार कार्य करने को कहा है तब तक के लिए चौकी प्रभारी ने कार्य पर विराम लगाने को कहा है उप जिलाधिकारी भिनगा के द्वारा बताया गया है राजस्व अभिलेख में सरकारी जमीन दर्ज है मौका मिलते ही इसकी पैमाइश करा कर हम खाली करा देंगे हल्का लेखपाल मनीष कुमार आर्य की मौजूदगी में विपक्षी गणों ने कार्य को रोक दिया था लेखपाल के हटते ही दोबारा से बस की बाली और लोहे की चादर रख दिया है जिस पर अनिल कुमार राम चल नंदकिशोर हरिद्वार प्रसाद यादव को सूचना मिली तत्काल उन्होंने 112 की सहायता ली 112 ने नजदीकी चौकी पर दोनों पक्षों को बिठाकर समझा दिया बिना कोई आदेश के इस पर कोई कार्य न करने का निर्देश दिया

संप्रेक्षण गृह से पांच किशोर भागे, दो को पुलिस ने पकड़ा, ताला तोड़ छत से कूदे थे सभी

राजकीय किशोर संप्रेक्षण गृह से पांच किशोर बंदी ताला तोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो किशोरों को बरामद कर लिया। तीन की तलाश जारी है। मामले में तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर सुरक्षा में लापरवाही की जांच की जा रही है। फकीरपुरा क्षेत्र में समाज कल्याण विभाग के कार्यालय के पास स्थित राजकीय किशोर संप्रेक्षण गृह से रविवार आधी रात के पांच किशोर बंदी फरार हो गए। घटना के बाद पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए दो किशोरों को बरामद कर लिया, जबकि तीन की तलाश जारी है।वहां के प्रभारी अधीक्षक मुकेश कुमार चौधरी ने पुलिस को इस मामले की तहरीर दी। तहरीर में बताया कि शनिवार की रात चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी सुमित कुमार और रोहित, सिपाही रविंद्र कुमार तथा होमगार्ड केशव कुमार, महेश पाल सिंह और आदेश कुमार सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात थे।रविवार रात 2-55 बजे पांच किशोर कमरे का ताला तोड़कर छत पर चढ़ गए और वहां से कूदकर भाग निकले। फरार किशोरों में अमरोहा के धनौरा थाना क्षेत्र के दो, उत्तराखंड के उधमसिंह नगर जिले के आईटीआई थाना क्षेत्र के दो और ठाकुरद्वारा थानाक्षेत्र का एक किशोर शामिल है। घटना की जानकारी मिलते ही प्रभारी अधीक्षक ने 112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। कर्मचारियों और पुलिस ने आसपास काफी तलाश की, लेकिन शुरू में कोई सुराग नहीं मिला। बाद में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर तलाश अभियान तेज किया।

इंडो-नेपाल सीमा पर पुलिस व एसएसबी ने की गश्त

क्यूँ न लिखूँ सच/प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देशन में इंडो-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाए रखने के उद्देश्य से जनपद श्रावस्ती में पुलिस एवं सशस्त्र सीमा बल द्वारा संयुक्त रूप से सतर्कता एवं निगरानी अभियान निरंतर चलाया जा रहा है। सीमावर्ती थाना क्षेत्रों में पुलिस एवं एसएसबी की संयुक्त टीमें नियमित रूप से पैदल गश्त कर रही हैं तथा सीमा क्षेत्र में आने-जाने वाले संदिग्ध व्यक्तियों एवं गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है, ताकि किसी भी प्रकार की अवैध, राष्ट्रविरोधी अथवा अवांछनीय गतिविधियों को समय रहते रोका जा सके। इसी क्रम में थाना सिरसिया पुलिस एवं एसएसबी की डॉग स्क्वड टीम द्वारा इंडो-नेपाल के सीमावर्ती ग्राम सुइया में संयुक्त पैदल गश्त एवं सघन निगरानी अभियान चलाया गया, जिसमें सीमावर्ती क्षेत्रों की गहन जांच की गई तथा स्थानीय लोगों से संवाद कर सुरक्षा संबंधी आवश्यक जानकारी साझा की गई। इसके अतिरिक्त जनपद के अन्य सीमावर्ती थाना क्षेत्रों में भी पुलिस एवं एसएसबी द्वारा बॉर्डर एरिया में नियमित गश्त एवं चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है, जिससे सीमा की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए किसी भी संभावित गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके।

समग्र ई-केवाईसी अनिवार्य, नागरिक जल्द कराएं आधार लिंकिंग

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। समस्त नागरिकों को सूचित किया जाता है कि शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त करने हेतु समग्र ई-केवाईसी (समग्र आईडी को आधार से लिंक करना) अनिवार्य है। नागरिक अपने नजदीकी ऑनलाइन सेंटर/सीएससी सेंटर पर जाकर समग्र ई-केवाईसी करवा सकते हैं। इसके अतिरिक्त, इच्छुक नागरिक स्वयं भी samagra.gov.in पोर्टल पर आधार ई-केवाईसी के माध्यम से अपनी समग्र आईडी को आधार से लिंक कर सकते हैं। समग्र ई-केवाईसी नहीं कराने की स्थिति में नागरिकों को शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्त नहीं हो सकेगा तथा योजना संबंधी आवेदन भी नहीं किए जा सकेंगे। सभी नागरिकों से अनुरोध है कि वे शीघ्र ही समग्र ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूर्ण कर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करें।

पीडिता को जान से मारने की नियत से जहर पिलाने वाले आरोपी को तुरंत कार्यवाही

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ थाना फिजीकल पुलिस द्वारा अपराध क्रमांक 23/26 मे आरोपी द्वारा पीडिता को जान से मारने की नियत से जहर पिलाने वाले आरोपी को तुरंत कार्यवाही करते हुये सूचना के 02 घण्टे मे गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया। शिवपुरी। दिनांक 8.2.26 को फरियादिया बेवी जाटव पुत्री भरत जाटव उम्र 19 साल निवासी करोदी कालोनी शिवपुरी ने सिद्धी विनायक हास्पीटल मे रिपोर्ट किया कि आज दिनांक 8.2.26 को दोपहर 2/00 बजे की बात है दिलीप धाकड मुझे घर से ग्वालियर बायपास रोड तरफ ले गया और जबरदस्ती शराब पिलाई तथा जान से मारने की नियत से इल्ली मार दवाई पिला दी और मुझे सिद्दी विनायक हॉस्पिटल छोडकर भाग गया जिस पर से देहाती नालसी 0/26 धारा 109 (1), 123 बी.एन.एस, 3 (2) (व्ही) एससी/एसटी एक्ट की लेख कर वापसी पर असल अपराध क्रमांक 23/26 धारा 109 (1), 123 बीएनएस, 3 (2) (व्ही) एससी/एसटी एक्ट बी.एन.एस. कायम कर विवेचना मे लिया गया मामला गंभीर प्रवृति का होने से पुलिस अधीक्षक श्री अमन सिंह राठौड़ के निर्देशन मे, अति. पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री संजीव मुले एवं सीएसपी शिवपुरी श्री संजय चतुर्वेदी के मार्ग निर्देशन में अपराध मे त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये उक्त निर्देशो के पालन में आरोपी की पतारसी हेतु टीम गठित की गई आरोपी की तलास हेतु सी.सी.टी.वी. फुटेज देखे गये एवं आरोपी के मोबाईल की टावर लोकेशन ली गई तो आरोपी कोलारस तरफ होना पता चला जिस पर से तत्काल रवाना होकर कोलारस ग्राम मोहराई पहुंचे आरोपी की पतारसी के भरसक प्रयास किये गये तब जाकर आरोपी दिलीप धाकड पिता रामराज धाकड उम्र 23 साल निवासी करोदी कालोनी शिवपुरी का मिला जिसे फिजीकल पुलिस व्दारा गिरफ्तार किया जाकर आरोपी से घटना मे प्रयुक्त मोटर साईकिल को करोदी कालोनी से जप्त किया गया तथा घटना स्थल के पास से आरोपी की निशादेही मे इल्ली मार दवाई की डिब्बी तथा शराब वियर की कैन जप्त की गई, विधि संगत कार्यवाही उपरांत आरोपी आज दिनांक 9.2.26 को माननीय न्यायालय पेश किया। सराहनीय भूमिका में उक्त कार्यवाही में निरीक्षक नम्रता भदौरिया, सउनि नारायण सिह, प्रआर 22 अंकित सिह, प्रआर 340 विजय सेंगर आर 265 देवेन्द्र रावत, आर 721 नरेन्द्र राठौर, आर 518 हरिओम यादव, आर 1131 प्रेम सिह महिला आर 1070 रुबी।

संक्षिप्त समाचार

भूमि विवाद में दो पक्ष भिड़ें, 11 घायल

क्यूँ न लिखूँ सच/प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। इकौना थाना - क्षेत्र के ग्राम खर्चबीरान अकबरपुर में विवादित भूमि पर बोरिंग कराने को लेकर दो पक्षों में विवाद शुरू हो गया और देखते देखते विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया हो गया दोनों पक्षों में जमकर लाठी डंडे चले इस मारपीट में दोनों पक्ष से 11 लोग घायल हो गए। इकौना थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खर्चबीरान अकबरपुर गांव में एक विवादित भूमि को लेकर गांव निवासी सरोज कुमार पुत्र त्रिवेणी व कर्ताराम पुत्र रामजस के बीच विवाद चल रहा है। विवादित भूमि के एक हिस्से में दोनों लोग बोरिंग कराने की बात कर रहे थे। जिसमें दोनों एक दूसरे का विरोध कर रहे थे। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया।

शिविर लगाकर ग्रामीणों को दी विधिक जानकारी

क्यूँ न लिखूँ सच/अरविन्द कुमार यादव / श्रावस्ती। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रावस्ती की ओर से गिलौला क्षेत्र के ग्राम कठौतिया में लघु विधिक शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रावस्ती के सचिव प्रद्युम्न कुमार मिश्र ने लोगों को मध्यस्थता अभियान, पीड़ित क्षतिपूर्ति योजना व लीगल एड डिफेंस के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 22 फरवरी को मेगा शिविर का आयोजन किया जाएगा। इसमें प्रतिभाग कर लोग विभागीय योजनाओं का लाभ ले सकेंगे। एडीएम अशोक कुमार प्रशासन व समाज कल्याण विभाग की ओर से चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी। आपदा विशेषज्ञ अरुण कुमार मिश्र ने लोगों को बालश्रम के प्रति जागरूक किया।

मुरादाबादः हम दो, हमारे दो दर्जन नारे से गरमाई सियासत, एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली के बयान पर बवाल

मुरादाबाद में एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली के एक बयान के बाद सियासत तेज हो गई है। सार्वजनिक सभा के दौरान बच्चों की संख्या को लेकर दिए गए हम दो, हमारे दो दर्जन नारे ने हंगामा मचा दिया है। यह बयान सामने आते ही राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों ने इसका विरोध शुरू कर दिया है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

थाना सेक्टर 20 पुलिस द्वारा मोबाइल फोन चोरी करने वाला 01 अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/ संवाददाता सोनू / नोएडा, गौतम बुद्ध नगर - थाना सेक्टर 20 पुलिस द्वारा मोबाइल फोन चोरी करने वाला 01 अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से चोरी के 03 मोबाइल फोन भिन्न-भिन्न कम्पनी के व एक अवैध चाकू बरामद। कार्यवाही का विवरण दिनांक 09.02.2026 को थाना सेक्टर 20 पुलिस ने मोबाइल फोन चोरी करने वाला 01 अभियुक्त अय्यूब पुत्र छिद्दा को सेक्टर 28 नोएडा से गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्त उपरोक्त के कब्जे से तीन मोबाईल फोन विभिन्न कम्पनी के तथा 01 अवैध चाकू बरामद हुआ है। अभियुक्त अय्यूब उपरोक्त के विरूद्ध थाना सेक्टर 20 पर मु0अ0सं0 41/2026 धारा 317(5) बीएनएस व 4/25 आयुध अधि0 पंजीकृत किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण:- अय्यूब पुत्र छिद्दा निवासी सेक्टर 12 नोएडा गौतमबुद्धनगर उम्र- करीब 28 वर्ष पंजीकृत अभियोग का विवरण:- मु0अ0सं0 41/2026 धारा 317(5) बीएनएस व 4/25 आयुध अधि0 थाना सेक्टर 20 नोएडा गौतमबुद्धनगर अभियुक्त अय्यूब उपरोक्त का आपराधिक इतिहास:- 1.मु0अ0सं0 41/2026 धारा 317(5) बीएनएस व 4/25 आयुध अधि0 थाना सेक्टर 20 नोएडा गौतमबुद्धनगर 2.मु0अ0सं0 21/2026 धारा 303(2) बीएनएस थाना सेक्टर 20 नोएडा गौतमबुद्धनगर 3.मु0अ0सं0 378/2025 धारा 303(2) बीएनएस थाना सेक्टर 20 नोएडा गौतमबुद्धनगर 4.मु0अ0सं0 395/2025 धारा 303(2) बीएनएस थाना सेक्टर 20 नोएडा गौतमबुद्धनगर 5. मु0अ0सं0 764/2021 धारा 380/411 भादवि थाना सेक्टर 24 नोएडा गौतमबुद्धनगर 6.मु0अ0सं0 781/2021 धारा 411/414 भादवि थाना सेक्टर 24 नोएडा गौतमबुद्धनगर

Major Breakthrough in Cancer Treatment: IIT Bombay Discovers New Method for Preserving T-Cells

Indian scientists have raised new hopes in the fight against cancer. Often, the biggest challenge during treatment is preserving the body's defenses, the immune cells, in the laboratory. However, researchers at IIT Bombay have developed a technique that could solve this difficult puzzle and make cancer treatment more effective than ever before. IIT Bombay Develops New Method for Cancer Treatment The technique of safely recovering immune cells in the laboratory will help increase the success rate of T-cell therapy. Researchers at the Indian Institute of Technology (IIT) Bombay have achieved a significant breakthrough in cancer treatment. They have developed a very simple and effective method for safely recovering immune cells grown in the laboratory. This new technique could prove particularly helpful for T-cell-based cancer treatments. What is T-cell therapy? Immunotherapy, such as CAR T-cells, is used to fight cancer. This process involves first extracting T-cells (a special type of immune cell) from the patient's blood. These cells are then modified and multiplied in the laboratory. Finally, these potent cells are reintroduced into the patient's bloodstream so they can fight and destroy cancer cells. Keeping the cells alive is the biggest challenge. Because these T-cells are developed outside the body, they must be carefully harvested. It's crucial to ensure they are alive and fully functional when returned to the patient. The success of this therapy depends on how we safely retrieve these cells after developing them. What innovations did the researchers achieve? Professor Prakriti Tayaliya and her team took on this challenge. They used a special technique to mimic the natural environment inside the body. Using a process called electrospinning, the team created a unique structure that helps in better recovery of these cells. Professor Tayalia said about this, "Cell recovery sounds very easy, but in reality it is one of the biggest challenges in this process." He explained that if we do not have sufficient quantity of healthy cells, we will neither be able to test them properly nor use them for patient treatment. This new discovery of IIT Bombay will play an important role in making cancer treatment more successful.

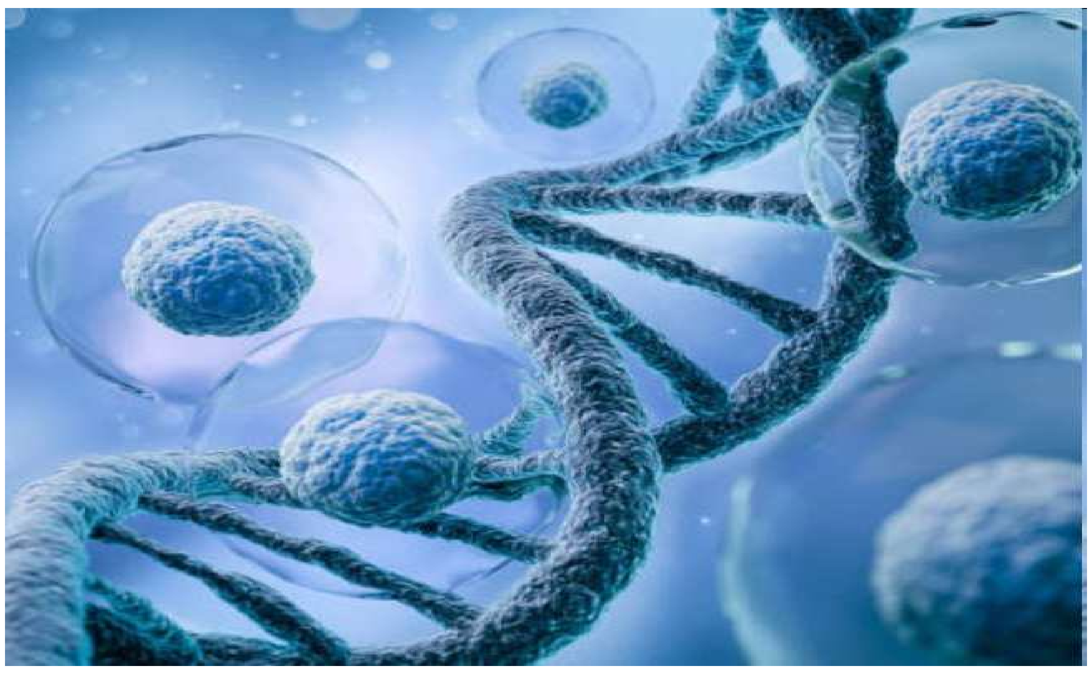

"Sweet Potato Fries" will double the fun of evening tea; prepare them in minutes with this recipe.

Many people crave tea as soon as evening arrives, and having something hot and spicy to accompany it makes the day. In such a situation, you too often get bored of eating the same potato chips, samosas, or biscuits. If so, this time you might want to try something new, tasty, and healthy. Here, we're going to show you a simple way to make "sweet potato fries." Sweet potato fries are healthier than regular potato fries. Cornflour is used to achieve crispiness—you can also make these tasty fries in an air fryer. Today, we're going to share a recipe for "sweet potato fries." The mild sweetness of sweet potatoes, combined with spicy spices and crunch, makes them truly delicious. The best part is that it's much healthier than regular potato fries, and making it is a piece of cake. Let's find out. Ingredients for Sweet Potato Fries You don't need a lot of ingredients to make them; just these few things you should have in your kitchen: Sweet potatoes: 2 large (cut lengthwise) Cornflour: 2 tablespoons (for crispiness) Oil: for frying Spices: Salt (to taste), black pepper powder, red chili powder, and a little chaat masala Method for making Sweet Potato Fries: First, wash and peel the sweet potatoes thoroughly and cut them into long, shaped French fries. Soak these pieces in cold water for 10-15 minutes. (This step is very important; it removes excess starch and makes the fries crispy.) Afterward, remove them from the water and dry them thoroughly with a cloth or paper napkin. Now put the fries in a large bowl and sprinkle cornflour, salt, black pepper, and red chili powder over them. Mix them well so that the spices coat each piece. Then, heat oil in a pan. Make sure the oil is very hot. Now fry the fries until golden and crispy. (If you're more health-conscious, you can also make them in an air fryer). After this, remove them from the pan and sprinkle chaat masala on the hot fries. You can serve them with your favorite tomato ketchup or green chutney. If you have strong ginger tea along with it, then believe me, the evening will be twice as enjoyable.

To keep your heart young and your hair shiny, include this 'powerhouse' of Vitamin E in your diet today.

Vitamin E is a powerful antioxidant that protects cells by protecting the body from free radicals. It promotes healthy skin, strong hair, heart protection, and a strong immune system.

Vitamin E, a powerful antioxidant, protects cells, strengthening skin, hair, heart, and the immune system. Fruits like kiwi, mango, and avocado are sources of vitamin E. Vitamin E is an essential fat-soluble nutrient that benefits our body in many ways. It acts as a powerful antioxidant, protecting cells from free radicals. Vitamin E promotes healthy and glowing skin, strengthens hair, reduces the risk of heart disease, and improves the immune system. It also helps slow the signs of aging and supports reproductive health. Experts say that including fruits in your diet is the easiest way to naturally replenish vitamin E. Let's learn about the fruits that are richest in vitamin E. Kiwi: Kiwi is an excellent source of both vitamin E and C. It boosts the body's immunity and makes the skin glow. Mango: A favorite summer fruit, mango is not only tasty but also contains a good amount of vitamin E, which is beneficial for skin and eye health. Papaya: Papaya improves digestion and is rich in vitamin E. It keeps the skin hydrated and promotes hair growth. Avocado: Avocado is considered a superfood. It contains vitamin E, healthy fats, and fiber. It strengthens the heart and slows the aging process. Guava: Guava is rich in both vitamin C and vitamin E. It repairs skin cells and boosts immunity. Blueberries: Blueberries are a treasure trove of antioxidants and vitamin E. They support brain health and maintain youthful skin. Blackberries - Blackberries contain both vitamin E and fiber. They improve heart health and protect the skin from wrinkles. Coconut - Coconut pulp and water contain vitamin E. This hydrates the body and provides natural moisture to the skin. Apricots - Apricots are rich in vitamin E and beta-carotene. They help improve eyesight and skin health. Olives - Olives are a good source of healthy fats and vitamin E. They keep the heart healthy and protect the skin from damage. If you want healthy skin, strong immunity, and anti-aging effects, be sure to include these vitamin E-rich fruits in your diet. These tasty and healthy options help keep your body fit and beautiful for longer.

Shahid Kapoor upset with fans for "O Romeo," why did he suddenly leave the stage at the song launch event?

Shahid Kapoor and Tripti Dimri are promoting their upcoming film "O Romeo." Recently, at the launch event for the film's new song, "Paan Ki Dukaan," Shahid Kapoor was mobbed on stage by fans. As the situation returned after security personnel Patani. Shahid Kapoor's film's February 13th - uproar at song currently busy promoting their release in theaters on February Mumbai to launch the film's new surrounded by the crowd - awkward when Shahid Kapoor celebrities at public events have a similar incident involving media. This time, Shahid Kapoor to dance - In addition to media this, Shahid invited some fans on several fans stormed the stage situation, Shahid stepped down crowd to retreat, and Shahid launched - "Paan Ki Dukaan" is Patani. This is their second song

escalated, Shahid had to leave the stage, but later intervened. This song is filmed on Shahid and Disha second song launched - O Romeo to release on launch event. Shahid Kapoor and Tripti Dimri are upcoming film "O Romeo." The film is scheduled to 13th. On Friday, the filmmakers held an event in song, "Paan Ki Dukaan." Shahid Kapoor However, the celebratory atmosphere turned suddenly left the stage. Incidents of heckling of increased rapidly in the past few months. A video of Srileela and Samantha recently went viral on social was surrounded by the crowd. Fans climbed on stage personnel, fans were also invited to the event. During stage to dance with him. The situation escalated when and surrounded the actor. Understanding the from the stage. Later, security personnel asked the returned to the stage. The film's second song was a peppy dance number featuring Shahid and Disha together, following the well-received "Aashiqo Ki Colony." The song is composed by Vishal Bhardwaj, with lyrics by Gulzar. Sukhwinder Singh and Rekha Bhardwaj have lent their vocals. "Paan Ki Dukaan" is choreographed by Jani Master.

"Hey, the Pandit is called a priest..." Anup Jalota jumped into the Ghooskhor Pandat controversy and offered some powerful advice.

Manoj Bajpayee's film "Ghuskhor Pandit" is facing controversy, leading Netflix to remove its teaser. Objections have been raised to the use of the word "Pandit," leading to protests and legal action. Bhajan singer Anup the teaser caused a stir? Manoj Jalota suggest? Controversy has been Manoj Bajpayee's film "Ghuskhor from its website. People object to the country. What did Anup Jalota surfaced from Bhopal, and an FIR has is particularly upset, and the fight has the word "Pandit" has been called Jalota has joined the fray. He has not a new name for the makers. Anup the title "Bhuskhor Pandit" to or caste; anyone who performs caste," Anup Jalota said, "Pandit" is wrong to call any caste a "Bhuskhor Pujari," then anyone can be a priest—priests are not a single community, but In such a situation, changing the title ease the difficulties surrounding the

Jalota has offered his advice on this matter. Why Bajpayee plays the lead role - what did Anup brewing for quite some time surrounding Pandat." Due to this, Netflix removed its teaser word "Pandit," leading to protests across the suggest? Numerous photos and videos have also been filed in Lucknow. A section of society now taken a legal and political turn. The use of derogatory. Renowned bhajan singer Anup only objected to the film's title but also suggested Jalota has said that the makers should change "Bhuskhor Pujari," as "Pujari" is not a religion worship can be a priest. "It is wrong to offend a word associated with caste and religion. It is Pujari." If the title is changed to "Bhuskhor me, you, or anyone else." He further stated that anyone who performs worship is called a priest. could alleviate the anger of many people and film. It should be noted that since the teaser's release, several social and community organizations have also expressed objections to the film. They have warned of protests if corrective action is not taken. Police officials stated that the growing outrage has raised serious concerns about law and order, necessitating immediate action.

The heroine of the 60s, who gained popularity with the song "Chanda O Chanda," where did she suddenly disappear?

Radha Saluja was an Indian cinema actress who worked in films in several languages, including Hindi, Punjabi, and Tamil. Aspiring to be an actress since childhood, Radha worked with stars like Mehmood and NTR. Where is this famous actress of the 60s now? She met Raj Kapoor during her school days and wanted to work in films since childhood—her popularity came from the film "One in a Million." Indian cinema has seen many actresses who demonstrated their talent and became successful on their own. However, some of them disappeared from the industry within a short time, but they are still remembered today. We are talking about actress Radha Saluja, whose intoxicating eyes captivated people's attention. Radha Saluja has worked in Hindi, Punjabi, and Tamil cinema. She also made significant contributions to some Bengali, Malayalam, Telugu, and Kannada films. Radha Saluja, the elder sister of renowned film editor Renu Saluja, wanted to be an actress since childhood. Radha had a passion for becoming an actress since childhood and there is a very interesting story behind this. In an interview, Radha Saluja had told that she had gone for a picnic in Ooty where Raj Kapoor was shooting the song 'O Mehbooba' from the film Sangam. Vyjayanthimala was making mistakes repeatedly at one place. At that time, Saluja said that if I were a heroine, I would have done it in one go. Raj Kapoor overheard this and asked, "Do you want to become a heroine?" She worked opposite Mehmood. Years later, Radha met Raj Kapoor at an international film festival in Delhi, and he reminded her of this incident. Radha was in Mumbai when producer Kewal Kashyap offered her her first film, Chori Chori. In 1971, she appeared in Do Raah, also starring Anil Dhawan and Shatrughan Sinha. That same year, Radha Saluja appeared opposite Mehmood in the film Lakhon Mein Ek. Radha also briefly worked with Telugu superstar NTR. Where is Radha Saluja now? After a brief stint in films, she moved to Los Angeles, where she married Shamim Zaidi, host of an ethnic radio program. There, Radha began singing with two music groups that performed throughout the United States. While in America, she joined the Federal Law Service for Asian Languages ??as a special interpreter in a Los Angeles court.